

जानादेश  
2024

एक राज्य - एक अखबार

## शुभाम संदेश

बहुमत : 272

543 543

एनडीए

291

-52

2019 में  
353 सीटें

इंडिया

234

+107

2019 में  
92 सीटें

अन्य

18

अकेले कांग्रेस 100

अकेले भाजपा 239

सपा ने यूपी और टीएमसी ने बंगाल में भाजपा का विजय रथ रोक दिया है। फिर भी लोकसभा चुनाव के नतीजों के मुताबिक भाजपा (239) सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, लेकिन वह अकेले दम पर बहुमत से दूर है। लिहाजा, सरकार बनाने के लिए उसे एनडीए के साथियों पर निर्भर रहना पड़ेगा, विपक्षी गठबंधन इंडिया मजबूत ताकत के रूप में उभरा है। नतीजों को देखते तो सतारुद्ध गठबंधन उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाया। एगिजट पोल के अनुमान भी गलत साबित हुए। एनडीए को 291 सीटें मिली हैं। वहीं इंडिया 234 सीटें जीता है। इसमें कांग्रेस ने 100, सपा ने 38, टीएमसी ने 29, द्रमुक ने 22 सीटें जीती हैं। राजद का बिहार में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। हालांकि उसके खाते में चार सीटें आई हैं। झारखंड में भी इंडिया का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।

गठबंधन  
सरकार

नीतीश-नायडू किंगमेकर

लगातार न्यूज नेटवर्क

चुनावी नतीजे आने के बाद बिहार के सीएम और जदयू सुप्रीमो नीतीश कुमार और टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू किंगमेकर बन कर उभरे हैं। ये दोनों नेता जिधर जाएंगे, सरकार उसी की बनेगी। दोनों नेता अभी एनडीए के साथ हैं। लेकिन पुराने अनुभव बताते हैं कि नीतीश और चंद्रबाबू अपने राज्य के लिए किसी भी पक्ष के साथ खड़े हो सकते हैं। फिलहाल दोनों के दोनों हाथ में लड्डू हैं। एक-दो दिन में स्थिति स्पष्ट होगी कि नीतीश और चंद्रबाबू किसकी सरकार बनवाते हैं।

बता दें कि मोदी ने 400 पार का नारा दिया था, लेकिन मंगलवार को जब ईवीएम खुला, तो भाजपा 240 सीटों से नीचे ही फिसलती दिखी। ऐसे में भाजपा अकेले दम पर सरकार नहीं बना सकेगी और उसे 272 के जादुई आंकड़े के लिए साथियों की जरूरत होगी। इस हालत में भाजपा के लिए नीतीश और चंद्रबाबू नायडू सहारा बनते दिख रहे हैं। जदयू ने बिहार में 12 हासिल की हैं। टीडीपी ने 16 सीटें जीती हैं। आंध्र विधानसभा में भी नायडू की सरकार बन रही है। इस तरह नायडू की लॉटरी लग गई है। वह राज्य के सीएम होंगे, तो वहीं केंद्र में जो सरकार बनेगी, उनका बड़ा दखल होगा। पहले भी नीतीश और चंद्रबाबू

किंगमेकर रहे हैं और अटल के दौर में सरकार का हिस्सा थे। इस तरह नायडू और नीतीश के लिए एक बार फिर पुराना दौर लौट आया है। यदि टीडीपी की 16 और जेडीयू की 12 सीटें भाजपा को मिलती हैं, तो 239 सीटें वाली भाजपा 275 के दावे के साथ सरकार बना सकेगी। इसके अलावा एकनाथ शिंदे की शिवसेना 6 सीटें जीती है, तो 280 पार का आंकड़ा आसानी से सरकार बनवा देगा। चंद्रबाबू तो भाजपा के साथ 2014 और 2019 में भी थे, लेकिन फिर कांग्रेस के साथ चले गए थे। इसी साल मार्च में वह एनडीए में वापस लौट आए, यही नहीं नीतीश भी इंडिया अलायंस के नेता थे, लेकिन चुनाव से ठीक पहले ही वह भाजपा के साथ आ गए। भाजपा के लिए यह अच्छा ही रहा कि चुनाव से ठीक पहले ही चंद्रबाबू और नीतीश उसके साथ आ गए थे। अब उसके लिए इन्हें मैनज कराना उतना कठिन नहीं होगा और आसानी से सरकार का गठन कर पाएंगी।

एनडीए में ही पवन कल्याण भी हैं, जिनकी पार्टी दो सीटें जीती है। चिराग पासवान की लोजपा आर ने भी 5 सीटों पर जीत दर्ज की है। यदि इस पूरे आंकड़े को मिला दें तो एनडीए के खाते में 290 सीटें पहुंच सकती हैं। इस तरह एनडीए सरकार को पूरे कार्यकाल में नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के ही भरोसे रहना होगा। दोनों नेता किंगमेकर बन कर उभरे हैं।

यह

लोकतंत्र और संविधान में भरोसे की जीत है। एनडीए की तीसरी बार सरकार बननी तय है, भाजपा और एनडीए में पूर्ण विश्वास के लिए लोगों का आभार व्यक्त करता हूँ। हर भारतीय को हमारी चुनाव प्रणाली और उसकी विश्वसनीयता पर गर्व है। 10 साल पहले आपने बदलाव के लिए मुझ पर भरोसा करके देश की बागडोर सौंपी थी। दूसरा कार्यकाल देश के विकास के नाम रहा। अब तीसरा कार्यकाल देश को बहुत आगे ले जाने के लिए मिला है।  
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

## कांग्रेस ने देश को दिखाया रास्ता



जब कांग्रेस का खाता बंद हुआ, तो मुझे लगा कि जनता अपने संविधान के लिए लड़ेगी। ये सच साबित हुआ। कांग्रेस ने देश को साफ तौर पर रास्ता दिखाया है। यह चुनाव इंडिया गठबंधन और कांग्रेस पार्टी ने किसी राजनीतिक पार्टी के खिलाफ नहीं लड़ा, यह चुनाव हमने संविधान को बचाने के लिए लड़ा। उन्होंने कहा कि देश ने साफ कह दिया है कि हम मोदी और शाह को नहीं चाहते। हम वादे पूरे करेंगे। जहाँ तक सरकार बनाने की बात है, तो इस पर बुधवार को घटक दलों के साथ बैठक करके तय करेंगे कि हमें सरकार बनानी है या विपक्ष में बैठना है।  
- राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

## एनडीए

पार्टी	सीटें
● भाजपा	239
● टीडीपी	16
● जदयू	12
● शिवसेना	06
● लोजपा (आर)	05
● जेडीएस	02
● आरएलडी	02
● जेएसपी	02
● हम	01
● एजीपी	01
● एजीएसयूपी	01
● एडीएल	01
● एनसीपी	01

## इंडिया

पार्टी	सीटें
● कांग्रेस	100
● सपा	34
● टीएमसी	29
● डीएमके	22
● शिवसेना (यूबीटी)	10
● एनसीपी (एस)	07
● माकपा	04
● राजद	04
● आईयूपएमएल	03
● झामुमो	03
● आप	03
● भाकपा	02
● भाकपा माले	02

## कौन-कौन मंत्री हारे

- स्मृति ईरानी (अमेटी)
- अर्जुन मुंडा (खूंटी)
- महेंद्र नाथ पांडेय (चंडौली)
- अजय मिश्र टेनी (खीरी)
- राजकुमार सिंह (आरा)
- राजीव चंद्रशेखर (तिरुअनंतपुरम)
- कैलाश चौधरी (बाड़मेर)

चुनाव विशेष

## जनता ने बता दिया, उसे क्या चाहिए

सुरजीत सिंह

गो शिक्षा- सबको चाहिए। वाट्सएप यूनिवर्सिटी- नहीं चाहिए। रोजगार- सबसे जरूरी है। नौकरी- जरूरी है। सरकारी नौकरी- बहुत जरूरी। पेपर लीक- मुक्ति चाहिए। मजदूरी- ज्यादा मिले। अग्निवीर- चार साल की नौकरी नहीं चाहिए। वेतन- बढ़ने चाहिए। बेरोजगारी- जिंदगी खराब कर दी। गरीबी- बढ़ी है। भुखमरी- हर तरफ है। महंगाई- मुक्ति चाहिए। महंगा भोजन- सस्ता करो। महंगा अनाज- पांच किलो से काम नहीं चलता। महंगा पेट्रोल- नहीं चलेगा। महंगा गैस- सस्ती हो। एमएसपी- कानून बने। स्वास्थ्य- गारंटी मिले। झूठी खबरें- अच्छी नहीं लगती। झूठी बातें- झूट करती हैं। लोकतंत्र- तानाशाही नहीं चलेगी। राष्ट्रवाद- प्लेग (महामारी) है। गंगा- मैली ही रह गई। गांधी- इतना झूठ मत बोलो। नेहरू- हर समस्या की जड़ नहीं। राहुल गांधी- पप्पू नहीं हैं। देश की हालत- 10 साल में खराब हुई। विदेशों में- डंका नहीं बज रहा, छवि खराब हो रही। देश- एक व्यक्ति या एक दल का नहीं। नरेंद्र मोदी- बायोलाॅजिकल हैं, ईश्वर के अवतार नहीं।

ट्विटर टिप्पणी

चुनाव परिणाम आने के बाद लोगों ने बता दिया है कि वो क्या चाहते हैं। देश की जनता को यही सब पसंद है। देश की जनता ने यह बता दिया है कि जिन बातों पर भाजपा व उनके समर्थक गर्व कर रहे हैं, वह गर्व करने के लायक नहीं है, बल्कि शर्म करने के लायक है। देश के 60 प्रतिशत लोगों को भोजन उपलब्ध कराने पर, बच्चों को रोजगार ना मिलने पर, भोजन, कपड़ा, मकान, सफर आम लोगों से दूर होने पर, बड़ी यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले छात्रों को सामान्य जानकारी ना होने पर, झूठ पर, वाट्सएप यूनिवर्सिटी पर, खुद को बायोलाॅजिकल ना होना बताते पर हम गर्व नहीं होता, शर्म महसूस होती है। और इस शर्म और हालत ने हमारी जिंदगी को नर्क बना दिया है। हम इससे बाहर

निकलना चाहते हैं। भाजपा को स्पष्ट बहुत ना मिलना संकेत है कि विकल्प उससे कमजोर है। लेकिन नहीं सुधरे तो कमजोर विकल्प भी मंजूर होगा। इस चुनाव के रिजल्ट ने कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन की तमाम पार्टियों के लिए भी एक संदेश है। करणव व परिवारवाद से दूर रहो। संगठन को मजबूत बनाओ और आम लोगों के मुद्दों से जुड़ो। नए राज्यों में भाजपा को बहुत मिलना, इसके सांसदों के लिए संदेश है कि क्षेत्र में काम करो, अकड़पन ठीक नहीं, हर मामले में आक्रामकता लोगों को आपसे दूर ही करती है।

## मोदी के कारण भाजपा बहुमत से दूर

- अबकी बार 400 बार।
- इंडी गठबंधन वाले मेरा मुंह ना खुलवाएं, सात पीढ़ियों के पाप निकाल कर रख दूंगा।
- महात्मा गांधी को फिल्म बनने के पहले कोई नहीं जानता था, फिल्म बनने के बाद दुनिया ने जाना।
- उनको वोट बैंक की गुलामी करनी है तो करें, मुजरा करना है तो करें।
- विजली कनेक्शन छीन लेंगे, आपके घर में अंधेरा कर देंगे।
- पानी के नल की टोंटी खोल लेंगे, बैंक से पैसा छीन लेंगे।
- दो बैस है तो एक बैस छीन लेंगे, मंगलसूत्र छीन लेंगे।
- जिनके ज्यादा बच्चे हैं, उनको बांट देंगे।
- सपा सरकार में आयी तो राम मंदिर पर बुलडोजर चलवा देंगे।
- कांग्रेस के मेनिफेस्टो में मुस्लिम लीग की छाप।
- मटन-मछली बनाकर-खाकर हिंदुओं को चिढ़ाते हैं।
- रविवार की छुट्टी 200-300 साल से ईसाई समाज से जुड़ी है, हिंदुओं से जुड़ी नहीं है।
- मां के जाने के बाद मैं कनिंस हो गया हूँ कि मैं बायोलाॅजिकल नहीं हूँ, ईश्वर ने

मुझे भेजा है।

मैं जिस दिन हिन्दू-मुस्लिम करूंगा, उस दिन सार्वजनिक जीवन का अंत होगा। चुनाव परिणाम ने यह जता दिया है कि मोदी के कारण भाजपा बहुमत से दूर रह गई। खुद नरेंद्र मोदी की जीत का मॉर्निंग बहुत कम हो गया। वैसे उनके समर्थक हमेशा की तरह कह सकते हैं कि मोदी हैं, तभी इतनी सीटें आ गयीं। कोई और होता तो हालात ज्यादा खराब होते। पर, सच अलग है। चुनाव के दौरान यह साफ दिख रहा था कि नरेंद्र मोदी लगातार गलतबयानी कर रहे हैं। रेली में, इंटरव्यू में टीवी पर, इंटरव्यू में अखबारों में, हर जगह, ऐसा करने से उन्हें टोकने वाला कोई नहीं है। ना आयोग, ना पार्टी, ना मीडिया और ना विपक्ष। वह हर बात, हर समस्या को हिन्दू-मुस्लिम पर लाने की कोशिश करते हैं। यही बात भाजपा के लिए नुकसानदेह साबित हुआ। रही-सही कसर टीवी चैनलों व अखबारों ने पूरी कर दी। जो मोदी के साथ भाजपा के समर्थन में तन-मन-धन के साथ पिछले दस सालों से खड़े थे, चुनाव में भी खड़े दिखे। टीवी चैनलों ने मोदी की हर सभा का लाइव प्रसारण किया और अखबारों ने पहले पन्ने पर प्रकाशित किया। विपक्ष के नेताओं की सभाओं, रैलियों को ना तो टीवी पर प्रसारित किया गया ना ही बड़े अखबारों ने पहले पन्ने पर जगह देने में बड़प्पन दिखाया। मतदाताओं में एक तरह से ऊब पैदा होने लगी थी। जिसका असर भाजपा को मिलने वाले वोटों पर पड़ा। धर्म के नाम पर वोट मांगने पर चुनाव आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की। वोट से ठीक एक-दो दिन पहले केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई होने लगी। इन सब वजहों से आम लोगों के बीच यही मैसेज गया कि मोदी राज में हर संवैधानिक संस्थान "पिंजरे का तोता" बन गया है। चुनाव आयोग व मीडिया सत्ता के पिछलगू बन गए हैं। लोकतंत्र के लिए यह ठीक नहीं है। भाजपा का इस बार के लिए 400 पार का नारा और उसके कुछ प्रत्याशियों द्वारा संविधान बदलने के लिए इसे जरूरी बताने का असर भी आम लोगों पर पड़ा।

राज्यों की रैस	एनडीए	इंडिया
उत्तर प्रदेश (80)	38	42
महाराष्ट्र (48)	18	30
पश्चिम बंगाल (42)	10	32
बिहार (40)	30	10
मध्य प्रदेश (29)	29	00
तमिलनाडु (39)	00	38
राजस्थान (25)	14	11
कर्नाटक (28)	16	12
दिल्ली (7)	07	00
आंध्र प्रदेश (25)	23	02
झारखंड (14)	09	05

पेज 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 11, 12 भी देखें

मोदी की हैट्रिक

# शुभाम सन्देश

जानादेश 2024

एक राज्य - एक अखबार

वाराणसी से मोदी 1,52,513 मतों से जीते

रायबरेली से राहुल 3,90,030 मतों से जीते

देश की जनता ने लगातार तीसरी बार एनडीए पर भरोसा जताया है. यह भारत के इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है. मैं इस स्नेह के लिए जनता को नमन करता हूँ. मैं अपने सभी कार्यकर्ताओं को उनकी कड़ी मेहनत के लिए भी सलाम करता हूँ. मेरे शब्द उनके असाधारण प्रयासों के लिए कम हैं.  
- नरेंद्र मोदी, पीएम

### भाजपा का सफर

1984	02	1999	180
1989	89	2004	138
1991	121	2009	116
1996	161	2014	282
1998	182	2019	303

इन राज्यों में भाजपा ने किया वलीन स्वीप  
मध्य प्रदेश-29  
दिल्ली-07  
उत्तराखंड-05

### कांग्रेस का सफर

1984	426	1999	114
1989	195	2004	141
1991	252	2009	206
1996	140	2014	44
1998	141	2019	46

हिमाचल प्रदेश-04  
अरुणाचल प्रदेश-02  
त्रिपुरा-02  
यहां शानदार प्रदर्शन  
गुजरात-25  
छत्तीसगढ़-10

कांग्रेस ने देश को एक नया गरीब-हितैषी दृष्टिकोण दिया. आप सबने देश का संविधान बचाने के लिए सबसे बड़ा कदम उठाया है. इसके लिए कांग्रेस व इंडिया गठबंधन के नेताओं-कार्यकर्ताओं का धन्यवाद. ये लड़ाई संविधान को बचाने की थी. आपने संविधान को बचाने का सबसे बड़ा कदम ले लिया है.  
- राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

# किसी भी राजनीतिक दल को बहुमत नहीं

## तीसरी बार भरोसा जताने के लिए जनता को नमन : मोदी



## सरकार बनाएंगे या नहीं, आज दे देंगे जवाब : राहुल गांधी



नयी दिल्ली। 18वीं लोकसभा चुनाव के परिणाम सामने आने के बाद मंगलवार शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता और एनडीए कार्यकर्ताओं का आभार जताया. उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि देश की जनता ने लगातार तीसरी बार एनडीए पर भरोसा जताया है. यह भारत के इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है. मैं इस स्नेह के लिए जनता जनार्दन को नमन करता हूँ और उन्हें विश्वास

दिलाता हूँ कि हम जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पिछले दशक में किए गए अच्छे कार्यों को जारी रखेंगे. पीएम मोदी ने आगे लिखा कि मैं अपने एनडीए के सभी कार्यकर्ताओं को उनकी कड़ी मेहनत के लिए भी सलाम करता हूँ. मेरे ये शब्द उनके असाधारण प्रयासों के बहुत कम हैं.  
वहीं, गृह मंत्री अमित शाह ने भी एक्स पर 'पोस्ट' कर जनता को धन्यवाद कहा. उन्होंने लिखा कि भाजपा को तीसरी बार मिली यह जीत हमारे कार्यकर्ताओं के अथक

परिश्रम का प्रतिफल है. इस जीत के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नूडा जी और देश के हर भू-भाग में मेहनत करने वाले सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को मैं बधाई देता हूँ. आगे लिखा कि भाजपा के लिए उनके कार्यकर्ता ही सबसे बड़ी पूंजी हैं. आप सभी ने जिस परिश्रम से उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक गली-गली, घर-घर जाकर मोदी जी के लिए जनता का आशीर्वाद मांगा है, वह सचमुच सराहनीय है. मैं आप सभी को इस भगीरथ प्रयास के लिए मनपूर्वक शुभकामनाएं देता हूँ.

नयी दिल्ली। देश भर में करीब-करीब सभी लोकसभा सीटों के चुनाव नतीजे सामने आने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार शाम मीडिया से रूबरू हुए. इस दौरान पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और प्रियंका गांधी भी साथ थीं. सबसे पहले राहुल ने कांग्रेस व इंडिया गठबंधन के नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार जताया. उन्होंने कहा कि आप सबने देश का संविधान बचाने

के लिए सबसे बड़ा कदम उठाया है. इस दौरान उनके हाथ में भारत के संविधान की मूल प्रति भी थी. कांग्रेस नेता ने कहा कि जहां तक आप हमारी मदद कर सकते थे, उसी लेवल तक मदद की, इसके लिए जनता और पार्टी के कार्यकर्ताओं का धन्यवाद. कांग्रेस ने देश को एक नया गरीब-हितैषी दृष्टिकोण दिया. राहुल गांधी ने यह भी कहा कि चुनाव कांग्रेस-इंडिया गठबंधन और भाजपा के बीच नहीं था. ये चुनाव पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा कब्जा की गयी केंद्रीय जांच एजेंसियों और आधी संवैधानिक

संस्थाओं के खिलाफ था. ये लड़ाई संविधान को बचाने की थी. उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस पार्टी का बैंक अकाउंट फ्रीज कर दिया गया, तो दिमाग में था कि भारत की जनता एक साथ होकर इन ताकतों के खिलाफ खड़ी हो जाएगी. आपने संविधान को बचाने का सबसे बड़ा कदम ले लिया है. राहुल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने इंडिया गठबंधन के घटक दलों का सम्मान किया, जिसका नतीजा है कि इंडिया गठबंधन ने हिंदुस्तान को एक नया विजन साफ दे दिया है.

### दिग्गज

जीते  हारे

सीट : गांधीनगर

अमित शाह **भाजपा**

सोनल आर पटेल **कांग्रेस**

जीते  हारे

सीट : लखनऊ

राजनाथ सिंह **भाजपा**

रविदत्त मेहरोत्रा **समाजवादी पार्टी**

जीते  हारे

सीट : तिरुवनंतपुरम

अखिलेश यादव **समाजवादी पार्टी**

सुब्रत पाठक **भाजपा**

जीते  हारे

सीट : अमेठी

किशोरी लाल शर्मा **कांग्रेस**

स्मृति ईरानी **भाजपा**

जीते  हारे

सीट : विदिशा

शिवराज सिंह चौहान **भाजपा**

प्रताप भानु शर्मा **कांग्रेस**

जीते  हारे

सीट : कन्नौज

शशि थरूर **कांग्रेस**

राजीव चंद्रशेखर **भाजपा**



### उपचुनाव : कल्पना ने किया गांडेय का किला फतह

गिरिडीह: मंगलवार को गिरिडीह जिले में गांडेय विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए वोटों की गिनती के दौरान आगे बढ़ने पर झामुमो नेता कल्पना सोरेन का उनके पति और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां ने स्वागत किया।

### ओडिशा विधानसभा चुनाव

## भाजपा ने 77 सीटों जीतीं

एजेंसी। भुवनेश्वर

राज्यीय जनता पार्टी ओडिशा में अब तक का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 77 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल की है. निर्वाचन आयोग के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है. निर्वाचन आयोग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, राज्य की कुल 147 विधानसभा सीटों में से बीजू जनता दल (बीजद) 51 सीट जीत चुकी है, जबकि कांग्रेस ने 14 सीटों पर जीत हासिल की है. चिल्का विधानसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार पृथ्वीराज हेरचंदन ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बीजद उम्मीदवार

रघुनाथ साहू को 4,566 मतों से हरा दिया, जबकि बरगढ़ विधानसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार अश्विनी कुमार सांरंगी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बीजद नेता के देवेश आचार्य को 4,772 मतों से शिकस्त दी. झारसुगुड़ा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के टंकधर त्रिपाठी ने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बीजद की दिपाली दास को 1,333 मतों के अंतर से हरा दिया. राउरकेला विधानसभा सीट पर बीजद उम्मीदवार शारदा प्रसाद नायक ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के दिलीप कुमार रे को 3,552 मतों के अंतर से हराया.

### आंध्र प्रदेश चुनाव : नौ जून को चंद्रबाबू नायडू लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ: टीडीपी

## टीडीपी ने 134 सीटों पर दर्ज की जीत

एजेंसी। अमरावती

लोकसभा चुनाव के साथ आंध्र प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे भी मंगलवार देर शाम तक सामने आ गये. मतगणना के बाद एन चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी की वापसी तय हो गयी है. आंध्र प्रदेश की 175 विधानसभा सीटों में तेलुगु देशम पार्टी को 134 सीटें आई हैं. वहीं, सहयोगी भाजपा के खाते में आठ सीटें आई हैं, जबकि सत्तारूढ़ वार्डेंसआर कांग्रेस केवल 12 सीटों पर ही जीत दर्ज कर पायी. इधर, चुनाव परिणाम सामने आने के बाद टीडीपी घोषणा की है कि पार्टी प्रमुख के चंद्रबाबू नायडू नौ जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे. इससे पूर्व दोपहर बाद ही रूझान में स्पष्ट बहुमत आने के बाद टीडीपी के पार्टी मुख्यालय में जश्न का दौर शुरू हो गया था. बता दें कि राज्य में 13 मई को लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव भी हुए थे. एक और कार्यकाल की तलाश में वार्डेंसआर कांग्रेस ने अकेले सभी 175 सीटों पर चुनाव लड़ा, जबकि टीडीपी ने 144 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे. पवन कल्याण की

अगुआई वाली जन सेना पार्टी (जेएसपी) ने 21 सीटों पर और भाजपा ने 10 सीटों पर चुनाव लड़ा था. प्रमुख दावेदारों में निवर्तमान मुख्यमंत्री वार्डेंस जगन मोहन रेड्डी (वार्डेंसआर कांग्रेस), टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू, जेएसपी के पवन कल्याण शामिल थे. वार्डेंसआर कांग्रेस प्रमुख ने पुलिवेंडुला विधानसभा सीट से 61,000 से अधिक मतों के अंतर से चुनाव जीता है. आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन रेड्डी ने हार मानी: आंध्र प्रदेश के निवर्तमान मुख्यमंत्री वार्डेंस जगनमोहन रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि बिना किसी भ्रष्टाचार के कई कल्याणकारी कार्यक्रम चलाने के बावजूद विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी वार्डेंसआर कांग्रेस की हार के कारणों को वह समझ पाने में विफल है. जगन ने मीडिया से कहा कि पार्टी यहां से उठकर आगे बढ़ेगी तथा लोगों के भले के लिए उनके साथ जुड़ेगी. उन्होंने कहा कि मैं चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हूँ. जो लोग (दल) सरकार बनाने के लिए (सत्ता में) आये हैं, उन सभी को शुभकामनाएं. वार्डेंसआर कांग्रेस पार्टी बेजुबानों की आवाज के रूप में काम करेगी.

# शुभम संदेश



एक राज्य - एक अखबार

रांची, बुधवार 05 जून 2024 • ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 13 संवत् 2081 • पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 8 • वर्ष : 2, अंक : 57

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र



कुल सीटें 14 भाजपा 08 कांग्रेस 02 जामुमो 03 आजसू 01

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की बड़ी हार, सीता के साथ समीर भी फ्लॉप

गांडेय विधानसभा उपचुनाव जीत कर कल्पना सोरेन का शानदार आगाज

भाजपा ने तीन सिटिंग सीटें खूटी दुमका और लोहरदगा गंवाई

नौ सीटों पर एनडीए और पांच सीटों पर इंडिया गठबंधन का कब्जा

## झारखंड में एनडीए की घटी 5 सीटें, इंडिया ने दिखाया दम

रवि भारती/ शुभम किशोर। रांची

झारखंड में लोकसभा चुनाव का नतीजा काफी चौकाने वाला रहा. इस चुनाव में इंडिया गठबंधन के खतरे में पांच आदिवासी सीटें आईं. वहीं नौ सीटों पर एनडीए ने कब्जा जमाया है. इस चुनाव में एनडीए को झारखंड में तीन सीटों का नुकसान हुआ है. इंडिया गठबंधन ने राजमहल, दुमका, सिंहभूम, खूटी और लोहरदगा सीट पर जीत हासिल की है. वहीं एनडीए ने गोड्डा, चतरा, गिरिडीह, कोडरमा, धनबाद, रांची, जमशेदपुर, पलामू और हजारीबाग सीट जीती है. लोकसभा चुनाव के नतीजों का असर अगली पांच महीने में झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव पर भी पड़ेगा. जिस मजबूती से इंडी गठबंधन ने चुनाव लड़ा और उसके सकारात्मक परिणाम उसे मिले, इससे उसका उत्साह चरम पर है. वहीं इसके ठीक उलट भाजपा खेमे में इस परिणाम से निराशा है.

### भाजपा को हुआ तीन सीटों का नुकसान

पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने झारखंड से 11 सीटें जीती थीं और उसके सहयोगी आजसू पार्टी के पास गिरिडीह की एक सीट थी. कुल मिला कर 12 सीटों में से इस बार आंकड़ा नौ पर ही सिमट गया. भाजपा ने तीन सिटिंग सीटें खूटी, दुमका और लोहरदगा गंवाने के साथ राज्य की सभी एसटी आरक्षित सीटें गंवा दी हैं. इनमें राजमहल, दुमका, चाईबासा, लोहरदगा और खूटी शामिल हैं.

### केंद्रीय नेतृत्व ने बाबूलाल मरांडी को दिया था फ्री हैंड

भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने बाबूलाल मरांडी को एक तरह से फ्री हैंड दिया था. पार्टी प्रत्याशियों के चयन का मामला हो या फिर संगठन का, सभी में बाबूलाल मरांडी ने अपनी पसंद के नेताओं को तरजीह दी. उन्होंने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को आश्वस्त किया था कि यदि उन्हें झारखंड में फ्री-हैंड दिया जाए, तो पार्टी के लिए लोकसभा में यहां से बेहतर परिणाम आर्येंगे. इसी कड़ी में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास को ओडिशा का राज्यपाल बना कर भेज दिया गया.

### गांडेय उपचुनाव में भी भाजपा हारी

लोकसभा चुनाव के साथ गांडेय विधानसभा के लिए हुए उपचुनाव में भी जामुमो प्रत्याशी कल्पनी सोरेन विजयी हुई हैं. इस सीट पर पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने जीत हासिल की. कल्पना ने भाजपा उम्मीदवार दिलीप वर्मा को 26,483 वोटों के अंतर से हराया है.

### झारखंड की 14 लोकसभा सीटों से जीतने वाले प्रत्याशियों के नाम

रांची	खूटी	पलामू	लोहरदगा	हजारीबाग	कोडरमा	गोड्डा
 संगय सेत (भाजपा)	 कालीचरण मुंडा (कांग्रेस)	 विष्णु दयाल राम (भाजपा)	 सुधदेव मगत (कांग्रेस)	 मनीष जायसवाल (भाजपा)	 अन्नपूर्णा देवी (भाजपा)	 निशिकान्त दुबे (भाजपा)
राजमहल	जमशेदपुर	सिंहभूम	गिरिडीह	दुमका	धनबाद	चतरा
 विजय कुमार हंसदा (जामुमो)	 विष्णु वरण महतो (भाजपा)	 ज्योती मांझी (जामुमो)	 चंद्रकाश चौधरी (आजसू)	 निशिन सोरेन (जामुमो)	 दुल्यू महतो (भाजपा)	 कालीचरण सिंह (भाजपा)

### झारखंड का गौरव

मानव की नीट-2024 में ऑल इंडिया रैंक वन

रांची। मानव प्रियदर्शी ने नीट 2024 अखिल भारतीय स्तर की परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक वन हासिल किया है. मानव प्रियदर्शी जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली के छात्र हैं, जिन्होंने एनईईटी परीक्षा में शुरुआत से ही अखिल भारतीय रैंक-01 (720/720) स्कोर करके सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए. जेवीएम श्यामली के 12वीं (एन) के छात्र मानव प्रियदर्शी ने अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में एनईईटी 2024 परीक्षा में एआईआर रैंक 1 हासिल कर अपने मेधा शक्ति का लोहा मनवाया है. स्कूल रिकॉर्ड के अनुसार, वह केजी से कक्षा तक जेवीएम श्यामली के छात्र रहे हैं. मानव खेल में भी अपनी रुचि रखते हैं. प्राचार्य समरजीत जाना और स्कूल के वाइस-चेयरमैन ने मानव को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी.

## औंधे मुंह गिरे जामुमो के बागी नेता जनता ने सिर से खारिज कर दिया

पार्टी नेतृत्व को देते रहे चुनौती, ताकत दिखाने का दंभ भरते रहे, पर हो गये फ्लॉप

रवि भारती। रांची

झारखंड की जनता ने जामुमो के बागी नेताओं को सिर से नकार दिया है. यानि रिजेक्ट कर दिया. अपने दम पर चुनाव जीतने का दंभ भरने वाले बागी नेता औंधे मुंह गिर पड़े. चुनाव से पहले पार्टी नेतृत्व पर टिकट के लिए दबाव बनाते रहे. पार्टी लाइन से अलग हटकर अपनी मनमर्जी करते रहे. पार्टी के शीर्ष नेता उन्हें जितना मनाने की कोशिश करते, वे उतना ही ताव दिखाते थे. दावा करते रहे कि निर्दलीय लड़ कर ताकत दिखा देंगे. लेकिन चुनाव नतीजों ने साफ कर दिया कि जनता ने बागी व दलबद्ध नेताओं को सिर से खारिज कर दिया है. बागी ऐसा कुछ कर न सके. जैसे वे दंभ भरा करते थे. जनता ने उनकी सारी हँकड़ी फुसस कर दी. जामुमो के दो विधायक बागी हो गए. एन चुनाव के वक्त पार्टी नेतृत्व के निर्देशों की अनदेखी करते हुए चुनावी

### वोट के लिए हांफते रहे बागी विधायक लोबिन हेब्रम



जामुमो के बागी विधायक लोबिन हेब्रम चुनाव के पहले और मतदान के बाद भी जीतने का दंभ भरते रहे. उन्होंने पार्टी लाइन से अलग हट कर खितियान को लेकर यात्रा भी निकाली थी, अपनी ही सरकार की नाकामियों को प्रचारित-प्रचारित भी किया. लेकिन हेब्रम की दाल नहीं गली. उनकी हँकड़ी गुम हो गयी. सब धरा का धरा ही रह गया. जनता ने उन्हें नकार दिया. खुद जिस विस क्षेत्र के नेतृत्व करते हैं, वहां भी उनकी एक न चली.

### चमरा लिंडा भी चारों खाने चित

जामुमो के बागी विधायक चमरा लिंडा भी औंधे मुंह गिरे. लोहरदगा से चुनावी समर में बागी प्रत्याशी के रूप में ताल ठोक कर उतरे. टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने पार्टी से दूरी बना ली थी. लोहरदगा सीट से वे निर्दलीय मैदान में कूद पड़े, लेकिन उनका दंभ भी धरा का धरा रह गया. जनता ने उन्हें नकार दिया.

अखाड़े में कूद पड़े. इन नेताओं को पार्टी लाइन के खिलाफ काम करने के कारण पार्टी से निकाल भी दिया गया, लेकिन अब ये विधायक और नेता फिर से पार्टी में ही बने रहने की जुगत भिड़ा रहे हैं, ताकि अगले चार महीने में झारखंड में होनेवाले विधानसभा चुनाव में लाभ उठा सकें.

जयप्रकाश वर्मा और बसंत लोणा को जनता ने नकार दिया साइडलाइन : जामुमो के बागी नेता जयप्रकाश वर्मा की भी नहीं चली. निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनावी समर में कोडरमा से संसदीय क्षेत्र से ताल ठोकी. लेकिन उनका जीत का दावा धरा का धरा रह गया.

## Oxbridge School

Mander, Ranchi

An English Medium Co educational School

Affiliated to CBSE, Delhi.



### बाबूलाल मरांडी की सारी रणनीति हुई फेल

## आदिवासी सीटों पर भाजपा धराशायी

- 2019 में रघुवर को लेकर उभरे गुस्से को बाबूलाल मरांडी सहित अन्य आदिवासी नेता पाटने में फेल हुए
- कल्पना सोरेन, हेमंत का वैकल्पिक आदिवासी चेहरा बनकर उभरीं, 5 सीटें जीतने में अहम रोल

कौशल आनंद। रांची

झारखंड में अनुसूचित जनजाति, यानि आदिवासियों के लिए आरक्षित पांचों आदिवासी सीटों से भाजपा का सूपड़ा साफ हो गया है. भाजपा दुमका, राजमहल, चाईबासा, लोहरदगा और खूटी सीट से बुरी तरह से हार गयी है. अब झारखंड की राजनीति में इसके मायने निकाले जाने शुरू हो गये हैं. सबसे अधिक चर्चा तो इस बात को लेकर है कि क्या हेमंत सोरेन को इंडी द्वारा जेल भेजने का फायदा भाजपा को नहीं मिल सका. या वह मौके का लाभ उठाने में ही बुरी तरह से फेल हो गयी. क्या हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन उन्हें जेल भेजने के मामले को ढंग से धुनाने में सफल रही. दूसरी ओर इस बात की भी चर्चा हो रही है कि क्या आदिवासियों को समझाने में बाबूलाल मरांडी फेल रहे या आदिवासियों ने बाबूलाल जी की सुनी ही नहीं. सीटिंग के साथ-साथ आदिवासी सीट बचाने में मरांडी रहे पूरी तरह विफल : भाजपा ने अपनी

### क्या जामुमो को मिल गया बड़ा वैकल्पिक आदिवासी चेहरा

हेमंत सोरेन की गैर मौजूदगी में उनकी पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन को कमान सौंपी गयी. कल्पना सोरेन ने 51 से अधिक चुनावी सभाएं कीं. 300 से अधिक छोटी-बड़ी नुक्कड़ सभा, पिकेट मीटिंग की, रोड शो भी किया. उन्होंने लोकसभा ही नहीं सभी विधानसभा सीट पर प्रचार किया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के नीतियों पर लगातार निशाना साधती रहीं. उन्होंने अपने हर भाषण में अपने पति पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को साजिश के तहत जेल भेजने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया. तो क्या यह मान लिया जाए कि हेमंत सोरेन को जेल भेजने के मामले को धुनाने में जामुमो ने बाजी मार ली. क्या जामुमो को कल्पना सोरेन के रूप में बड़ा वैकल्पिक चेहरा मिल गया है.

पार्टी के सभी दिग्गज नेताओं को दरकिनार करते हुए बड़े आदिवासी चेहरा के रूप में शुमार रहे पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी को प्रदेश की कमान सौंपी थी. बाबूलाल पर न केवल आदिवासी सीटों को बचाने की बड़ी चुनौती थी, बल्कि सीटिंग 11 सीटें

### सोरेन परिवार को फोड़ने और कांग्रेस में सेंधमारी का भी फायदा मरांडी नहीं दिला पाये

बाबूलाल मरांडी ने यह रणनीति बनायी थी कि दो अहम आदिवासी सीट चाईबासा और दुमका वह सोरेन परिवार और कांग्रेस में सेंधमारी कर अपने पाले में कर लेंगे. इसलिए पहले उन्होंने सिंहभूम से कांग्रेस की सीटिंग एमपी गीता कोड़ा को भाजपा में शामिल करा कर उन्हें भाजपा का टिकट भी दिला दिया. दूसरा दुमका से अपने घोषित प्रत्याशी सुनील सोरेन को हटा कर सीता सोरेन को मैदान में उतारा. लेकिन मरांडी का यह दोनों हथकंडा काम न आया.

भी बचाने की चुनौती थी. लेकिन इन दोनों कसौटियों पर मरांडी खरे नहीं उतर सके. भाजपा को उम्मीद थी कि जो गुस्सा 2019 के विधानसभा चुनाव के वक्त रघुवर के कारण उसे उठानी पड़ी थी, उसकी भरपाई मरांडी को अपने पाले में लाकर कर ली जाएगी, लेकिन ऐसा कुछ हो न सका.

Contact. 9546469965, 9431564500 Bus Facility Available  
Gmail. oxbridgeschoolmander@gmail.com



चतरा में भाजपाइयों ने निकाला विजय जुलूस, उफान पर कार्यकर्ताओं का उत्साह

# मेरी नहीं, चतरा लोस क्षेत्र के जनता की जीत : काली चरण सिंह

संवाददाता । चतरा

मंगलवार को चतरा जिला मुख्यालय के अलावे विभिन्न प्रखंडों में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी प्रत्याशी काली चरण सिंह की जीत पर जश्न मनाया. इस दौरान कार्यकर्ताओं में जोश देखते ही बन रहा था. कार्यकर्ता भारत माता की जय, प्रत्याशी के जिंदाबाद के नारे लगाते हुए जीत की खुशी मना रहे थे. सभी एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर एवं मिठाई खिलाकर खुशी मनाया। इस अवसर पर पार्टी समर्थक सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे.



राजद ने 2004 में की थी जीत दर्ज

लोकसभा चुनाव 2004 में राष्ट्रीय जनता दल से धीरेन्द्र अग्रवाल ने चतरा सीट पर कब्जा किया था. दूसरे स्थान पर जनता दल यूनाइटेड के इंद्र सिंह नामधारी व भारतीय जनता पार्टी के नागमणि तीसरे स्थान पर रहे थे.

225494 मतों से बीजेपी ने चतरा में जीत दर्ज की

चतरा। मंगलवार को लोकसभा चुनाव 2024 के चतरा लोकसभा से भाजपा काली कालीचरण सिंह ने दो लाख से अधिक मतों से जीत दर्ज की. चतरा लोकसभा के सांसद बनने के बाद श्री सिंह ने अपने हाथों से भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच जीत के लड्डू का वितरण किया. इस दौरान श्री सिंह ने धनकारों से कहा कि यह जीत चतरा लोकसभा के जनता व पार्टी कार्यकर्ताओं की है, मैं तो केवल निमित्त मात्र हूं.



भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार

दुल्लू महतो की जीत पर शुभकामनाएं

एक शुभचिंतक

## भाजपा के कार्यकर्ताओं तक पहुंचा नाश्ता, राजद कार्यकर्ता हुए मायूस

संवाददाता । मेदिनीनगर

जीएलए कॉलेज मतगणना केंद्र पर भाजपा और राजद ने अपने एजेंट बैठा रखे थे. दोनों पार्टियों ने एजेंट को लेकर पानी में नाश्ते की व्यवस्था कर रखी थी. दिन के लगभग के 11:00 बजे बीजेपी एजेंट के लिए नाश्ता लेकर वहां मतगणना केंद्र स्थल पर पहुंचा लेकिन इसे सुरक्षाकर्मियों ने रोक दिया. बाद में भाजपा प्रत्याशी विष्णु दयाल राम मौके पर पहुंचे और



उन्होंने पलामू एसपी रिष्मा रमेशन से बात की इसके बाद नाश्ते का पैकेट लेकर वहां मतगणना केंद्र स्थल पर पहुंचा. वहीं राजद कार्यकर्ताओं के लिए नाश्ता लेकर पहुंचे वाहन को केंद्र के अंदर प्रवेश नहीं दिया गया.

इस वाहन को मतगणना केंद्र के अंदर जाने के लिए पास इशू नहीं किया गया था. इसे लेकर राजद प्रत्याशी ममता भुइया मौके पर पहुंची लेकिन उन्हें बताया गया कि एंट्री पास नहीं होने के कारण वाहन अंदर नहीं जा सकता है.

राजद प्रत्याशी ममता भुइयां ने जताया मतदाताओं का आभार

मेदिनीनगर । पलामू संसदीय सीट की मतगणना पूरी होने के बाद राजद प्रत्याशी ममता भुइयां ने पलामू संसदीय क्षेत्र की जनता को अपना आशीर्वाद देने के लिए आभार जताया है. उन्होंने कहा कि यह जनता का निर्णय है और मैं इसे स्वीकार करती हूं. उन्होंने कहा कि जनता से प्राप्त आशीर्वाद से हमारा मनोबल बढ़ा है और मैं आगे भी जनता की सेवा में लगी रहूंगी.

## छतरपुर विधायक ने मतदाताओं को दी बधाई

मेदिनीनगर। पलामू संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी विष्णु दयाल राम की प्रचंड जीत के लिए छतरपुर विधायक पुष्पा देवी व पूर्व सांसद मनोज कुमार ने पलामू व गढ़वा जिला के मतदाताओं को बधाई दी है. उन्होंने भाजपा प्रत्याशी विष्णु दयाल राम को भी कर्मठ व्यक्ति बताते हुए जीत के लिए बधाई दी है. छतरपुर विधायक पुष्पा देवी ने कहा कि इस जीत में छतरपुर पाटन विस क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों का सामूहिक प्रयास रहा है और यह जीत छतरपुर पाटन

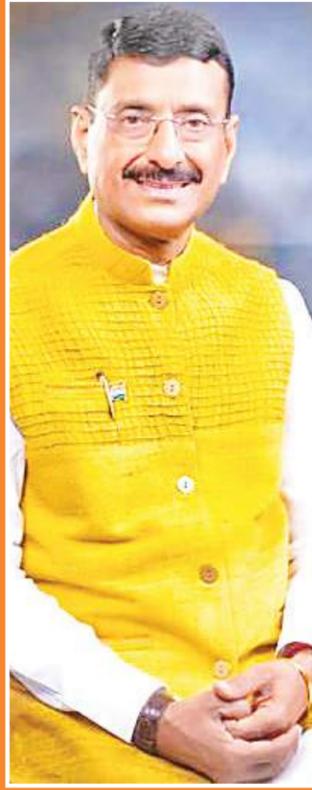
के आम लोगों के प्रयास की जीत है. पूर्व सांसद मनोज कुमार ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी विष्णु दयाल राम योग्य व कर्मठ व्यक्ति हैं. पलामू संसदीय क्षेत्र की जनता ने उनके पूर्व के कार्यों को देखा और परखा है. यह जीत उसी का परिणाम है. उन्होंने भाजपा प्रत्याशी की जीत के लिए पलामू सांसद के क्षेत्र के मतदाताओं समेत पाटन छतरपुर क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं व समर्थकों का आभार जताते हुए उन्हें भी इस जीत के लिए बधाई दी है.

दुल्लू महतो की शानदार जीत पर शुभकामनाएं



राम चन्द्र माहतो

जोड़ापोखर मंडल अध्यक्ष ओ वी सी मौर्वा (भाजपा)



रांची संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से लोकप्रिय नेता संजय सैठ के दोबारा सांसद चुनने पर ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं को हार्दिक बधाई



भूषण चंद मुर्मू  
भाजपा नेता



मनोरंजन महतो  
उपाध्यक्ष, भाजयुमो, सरायकेला-खरसावा

सिंहभूम लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के नेतृत्व पर विश्वास जताने वाली

सिंहभूम की जनता एवं कार्यकर्ताओं को ऐतिहासिक विजय की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

**श्रीमती जोबा माहती**  
नव निर्वाचित सांसद, सिंहभूम



# झारखंड की 14 सीटें किसको मिला जनता का आशीर्वाद

## जीत की खुशी हार का मातम

झारखंड में 14 लोकसभा सीटों के चुनाव परिणाम आने के साथ ही एक बार फिर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है. जीत के खुशियों में जहां जन्म का माहौल है, वहीं हारने वाले प्रत्याशी और उनके समर्थकों के बीच मायूसी छा गई है. जीतने और हारने वाले प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ मतदान परिणाम की समीक्षा करते देखे गए. कुछ से ही मजगान केंद्रों के साव-साव टीवी से भी लोग विचकें थे. हर कोर्ड अपने मनमोहन नेता और सीट के परिणाम को लेकर उतावला था. शाम तक रुझान परिणाम में बदलने लगे थे और जीत का जश्न शुरू हो गया था. इस समय झारखंड में जीतने वाले नेता और उनके समर्थक जीत के जश्न में डूबे हैं.



<b>पलामू</b>	<b>लोहरदगा</b>	<b>हजारीबाग</b>
<b>जीत का अंतर</b> <b>288807</b>	<b>जीत का अंतर</b> <b>132440</b>	<b>जीत का अंतर</b> <b>275775</b>
<b>निकटतम प्रतिद्वंदी</b>	<b>निकटतम प्रतिद्वंदी</b>	<b>निकटतम प्रतिद्वंदी</b>
<b>ममता भुईयां</b>	<b>समीर उरांव</b>	<b>जेपी पटेल</b>
<b>वीडी राम</b>	<b>सुखदेव भगत</b>	<b>मनीष जायसवाल</b>
<b>770362</b>	<b>466976</b>	<b>647416</b>
वोट मिले	वोट मिले	वोट मिले
<b>481555</b>	<b>334536</b>	<b>371641</b>
वोट मिले	वोट मिले	वोट मिले

<b>जमशेदपुर</b>	<b>सिंहभूम</b>	<b>गिरिडीह</b>	<b>जोबा</b>	<b>सोनीपट्टी</b>
<b>जीत का अंतर</b> <b>259782</b>	<b>जीत का अंतर</b> <b>168402</b>	<b>जीत का अंतर</b> <b>80880</b>	<b>जीत का अंतर</b> <b>168402</b>	<b>जीत का अंतर</b> <b>80880</b>
<b>निकटतम प्रतिद्वंदी</b>	<b>निकटतम प्रतिद्वंदी</b>	<b>निकटतम प्रतिद्वंदी</b>	<b>निकटतम प्रतिद्वंदी</b>	<b>निकटतम प्रतिद्वंदी</b>
<b>समीर मोहंती</b>	<b>गीता कोड़ा</b>	<b>मथुरा महतो</b>	<b>सोनीपट्टी</b>	<b>सोनीपट्टी</b>
<b>विद्युत वरण महतो</b>	<b>जोबा मांझी</b>	<b>सीपी चौधरी</b>	<b>सीपी चौधरी</b>	<b>सीपी चौधरी</b>
<b>726174</b>	<b>520164</b>	<b>451139</b>	<b>451139</b>	<b>451139</b>
वोट मिले	वोट मिले	वोट मिले	वोट मिले	वोट मिले
<b>466392</b>	<b>351765</b>	<b>370259</b>	<b>370259</b>	<b>370259</b>
वोट मिले	वोट मिले	वोट मिले	वोट मिले	वोट मिले



<b>कोडरमा</b>	<b>गोड्डा</b>	<b>राजमहल</b>	<b>राजमहल</b>
<b>जीत का अंतर</b> <b>367981</b>	<b>जीत का अंतर</b> <b>101813</b>	<b>जीत का अंतर</b> <b>177268</b>	<b>जीत का अंतर</b> <b>177268</b>
<b>निकटतम प्रतिद्वंदी</b>	<b>निकटतम प्रतिद्वंदी</b>	<b>निकटतम प्रतिद्वंदी</b>	<b>निकटतम प्रतिद्वंदी</b>
<b>विनोद सिंह</b>	<b>प्रदीप यादव</b>	<b>ताला मरांडी</b>	<b>ताला मरांडी</b>
<b>अन्नापूर्णा देवी</b>	<b>निशिकांत दूबे</b>	<b>विजय हांसदा</b>	<b>विजय हांसदा</b>
<b>762710</b>	<b>693140</b>	<b>611389</b>	<b>611389</b>
वोट मिले	वोट मिले	वोट मिले	वोट मिले
<b>394729</b>	<b>591327</b>	<b>434121</b>	<b>434121</b>
वोट मिले	वोट मिले	वोट मिले	वोट मिले

<b>रांची</b>	<b>खूंटी</b>	<b>खूंटी</b>
<b>जीत का अंतर</b> <b>120512</b>	<b>जीत का अंतर</b> <b>149675</b>	<b>जीत का अंतर</b> <b>149675</b>
<b>निकटतम प्रतिद्वंदी</b>	<b>निकटतम प्रतिद्वंदी</b>	<b>निकटतम प्रतिद्वंदी</b>
<b>यशस्विनी सहाय</b>	<b>अर्जुन मुंडा</b>	<b>अर्जुन मुंडा</b>
<b>संजय सेठ</b>	<b>कालीचरण मुंडा</b>	<b>कालीचरण मुंडा</b>
<b>664732</b>	<b>511647</b>	<b>511647</b>
वोट मिले	वोट मिले	वोट मिले
<b>544220</b>	<b>361972</b>	<b>361972</b>
वोट मिले	वोट मिले	वोट मिले

<b>दुमका</b>	<b>धनबाद</b>	<b>धनबाद</b>	<b>धनबाद</b>	<b>धनबाद</b>
<b>जीत का अंतर</b> <b>22527</b>	<b>जीत का अंतर</b> <b>330065</b>	<b>जीत का अंतर</b> <b>330065</b>	<b>जीत का अंतर</b> <b>330065</b>	<b>जीत का अंतर</b> <b>225494</b>
<b>निकटतम प्रतिद्वंदी</b>	<b>निकटतम प्रतिद्वंदी</b>	<b>निकटतम प्रतिद्वंदी</b>	<b>निकटतम प्रतिद्वंदी</b>	<b>निकटतम प्रतिद्वंदी</b>
<b>सीता सोरेन</b>	<b>अनुपमा सिंह</b>	<b>अनुपमा सिंह</b>	<b>अनुपमा सिंह</b>	<b>केएन त्रिपाठी</b>
<b>नलिन सोरेन</b>	<b>दुल्लू महतो</b>	<b>दुल्लू महतो</b>	<b>दुल्लू महतो</b>	<b>कालीचरण सिंह</b>
<b>547370</b>	<b>782423</b>	<b>782423</b>	<b>782423</b>	<b>566658</b>
वोट मिले	वोट मिले	वोट मिले	वोट मिले	वोट मिले
<b>524843</b>	<b>452358</b>	<b>452358</b>	<b>452358</b>	<b>341164</b>
वोट मिले	वोट मिले	वोट मिले	वोट मिले	वोट मिले

## जनादेश के संदेश

जनादेश का संदेश एक ऐसे लोकतंत्र और सत्ता के पक्ष में है, जो लोगों के सवालों के प्रति संवेदनशील हो। यानी लोगों ने अपनी निराशा और उम्मीद दोनों के बीच एक संतुलन रखा है। लोकतंत्र के प्रति भारतीय जनगण की प्रतिबद्धता भी इन चुनावों से स्पष्ट होती है। जनता समावेशी विकास चाहती है और बढ़ती आर्थिक असमानता के विरोध में है। जनगण ने यह भी स्पष्ट किया है कि लोगों की आकांक्षाओं और उम्मीदों के प्रति राजनीतिक दल सचेत रहे। इस चुनाव ने यह भी दिखाया है कि भारत में लोकतंत्र के बुनियादी सरोकार अपनी जगह मजबूत हैं। जनादेश जनगण की परिपक्वता को प्रदर्शित करता है। भारत का लोकतंत्र दुनिया भर में सराहा जाता है और इस जनादेश ने उसे और परिपक्वता प्रदान किया है। चुनाव नतीजे यह भी बताते हैं कि देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों की आकांक्षाओं को गहराई से समझने की जरूरत है। खास कर उन राज्यों को आर्थिक तौर पर मजबूत बनाना होगा, जो विकास की दौड़ में पीछे रह गए हैं। इस जनादेश का इस अर्थ में भी गहरा महत्व है कि भारत की विविधता वाली संस्कृति और मजबूत हुई है। भारतीय राजनीति में बहुदलीयता की अवधारणा को जनता ने अहम माना है और एकदलीयता के प्रभाव को उसने चुनौती भी प्रदान की है। अब जरूरत इस बात की है कि भारत में समावेशी और समेकित विकास के साथ देश के सभी नागरिकों को अहमियत दी जाए और धर्म या जाति की राजनीति से परहेज किया जाए। भारत एक बहुभाषी बहुधार्मिक समाज है और यह इसकी खूबसूरती है। इस जनादेश ने इस जनगण की खूबसूरती को नया स्वर दिया है। भारतीय जनता पार्टी के लिए यह जनादेश कई सबक देता है। पहला सबक तो यही है कि वह धार्मिक आधार पर भेदभाव की अपनी रणनीति को दरकिनार करे। भाजपा को सही अर्थों में एक राष्ट्रीय पार्टी बनने के लिए अल्पसंख्यक समुदायों का विश्वास हासिल करना होगा। भाजपा ने ओडिशा में अपनी ताकत का विस्तार किया है। जाहिर है यह एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि ओडिशा की संस्कृति भारत के अन्य राज्यों की तुलना में अलग है। समय आ गया है कि भारत को दुनिया में एक वास्तविक लोकतांत्रिक ताकत बनाने के लिए देश के भीतर के विभाजक कारकों को दूर किया जाए। इस बार भारत के विभिन्न राज्यों के जनादेश का गहराई से विश्लेषण करने की जरूरत है, क्योंकि वे एक राष्ट्रीय संदेश के साथ साथ क्षेत्रीय आकांक्षाओं की भिन्नता को भी प्रकट करते हैं। कांग्रेस के लिए यह चुनाव एक जीवन-शक्ति बन गया है। उसे खारिज करने वालों के लिए इस जनादेश ने साफ संदेश दिया है कि राजनीति में किसी को भी खारिज नहीं किया जा सकता है। एनडीए और इंडिया दोनों गठबंधनों को अपनी नीतियों और रणनीति पर पुनर्विचार करने की भी जरूरत है। लंबे समय के बाद इस चुनाव ने यह भी स्पष्ट किया है कि जनगण को गारंटी के तबोत नहीं लिया जाना चाहिए, पिछले दस सालों में पक्ष-विपक्ष के बीच कड़ुता का माहौल बढ़ा है। समय आ गया है कि कड़ुता के बजाय सहयोग और सहकार की राजनीति को अंजाम दिया जाए।

**भारत एक बहुभाषी बहुधार्मिक समाज है और यह इसकी खूबसूरती है। इस जनादेश ने इस जनगण की खूबसूरती को नया स्वर दिया है। भारतीय जनता पार्टी के लिए यह जनादेश कई सबक देता है।**

# कब पूरे होंगे संपूर्ण क्रांति के सपने

मौजूदा सच कुछ मासूस करने वाला है। यह बताता है कि 'संपूर्ण क्रांति' का आंदोलन कहीं ठहर गया। अधूरा रह गया है। आज का सच और विडंबना यह है कि जो राजनीतिक समूह अभी देश की सत्ता और राजनीति पर प्रभावी है, वह भी खुद को जेपी और उस आंदोलन का वारिस होने का दावा करता है। मगर वह उस आंदोलन के मूल्यों के उलट एक संकीर्ण हिंदुत्व के विचार से लैस है और येन केन प्रकारेण उसे देश पर थोपना चाहता है। लोकतंत्र के नाम पर वह असहमति और सवाल पूछने के अधिकार को नकारता है।

जाहिर है, उसके बाद आंदोलन पर राजनीतिक रंग भी कुछ ज्यादा ही हावी हो गया। 12 जून '75 को इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा इंदिरा गांधी के निर्वाचन को रद्द करने के फैसले के बाद तो देश का वातावरण ही बदल गया। निश्चय ही आंदोलन के दबाव और देश में फैलते उसके प्रभाव के कारण ही इंदिरा गांधी पर प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने का ऐसा दबाव पड़ा कि उन्होंने 25 जून को रात में इमरजेंसी लगा दी। जेपी सहित विपक्ष के लोगभग तमाम नेता गिरफ्तार हो गए, उसके बाद जो हुआ, सब इतिहास में दर्ज है। लेकिन बाद में शिद्वत से महसूस हुआ कि यदि जेपी की इच्छा और उनके निर्देशों के अनुरूप हम गांवों से और गहरे जुड़ सके होते, 'जनता सरकार' का गठन कर सके होते तो इमरजेंसी में भी वैसी दहशत और खामोशी नहीं दिखती, जो दिखी। 1977 में केंद्र, फिर अनेक राज्यों में सत्ता तो बदली, फिर भी बहुत कुछ नहीं बदला। कम से कम जेपी (और हमारी) की कल्पना के अनुरूप तो नहीं ही बदला। तब से अब तक देश- दुनिया में बहुत बदलाव हो चुका है, लेकिन इसे सकारात्मक नहीं कह सकते। आज तो देश और भी निराशाजनक दौर से गुजर रहा है। बिना घोषणा के तानाशाही के लक्षण दिखने लगे हैं।

आज बढ़तों को लग सकता है कि आंदोलन अंततः निष्प्राभावी और विफल साबित हुआ, लेकिन उस आंदोलन से निकली विभिन्न धाराओं ने भारतीय राजनीति की दशा दिशा को गहरे प्रभावित किया, इससे कोई इनकार नहीं कर सकता। उस आंदोलन से युवाओं की शक्ति स्थापित हुई। लोकतंत्र मजबूत हुआ। दोबारा इमरजेंसी लगाने की आशंका लगभग निरस्त हुई। मानवाधिकार को मान्यता मिली। उस आंदोलन से निकले समूहों ने देश भर में जनता के सवालों को उठाने, उन्हें संगठित करने का काम जारी रखा। जल- जंगल-जमीन पर समाज के अधिकार और नर-नारी समता के सवाल को राष्ट्रीय महत्व का मुद्दा बनाया। जेपी द्वारा एक जनवरी 1975 में गठित युवा संगठन 'छात्र-युवा संघर्ष वाहिनी' ने जमीनी बदलाव और शांतिमय गग संघर्ष के सफल प्रयोग किये। 1978 में बोधगया मठ के अवैध कब्जे में प्यौठी करीब दस हजार एकड़ जमीन की मुक्ति के लिए स्थानीय मजदूरों व किसानों को संगठित किया। दो वर्षों के अंदर मठ की आर्थिक और सामाजिक ताकत ध्वस्त हो



गयी। सरकार ने मुझ जमीन को भूमिहीनों के बीच वितरित किया। उस वितरण में जमीन का स्वाभिम्व महिलाओं को भी मिले, यह शर्त रखी गयी। प्रशासन ने अड़ना लगाने का प्रयास किया। फिर भी अनेक गांवों में महिलाओं के नाम जमीन का कामज बन। भारत में संभवतः ऐसा पहली बार हुआ। जमींदारी की तरह गंगा पर जारी 'पानीदारी' के खिलाफ 'गंगा मुक्ति आंदोलन' किया, जो सफल भी हुआ। मौजूदा सच कुछ मासूस करने वाला है। यह बताता है कि 'संपूर्ण क्रांति' का आंदोलन कहीं ठहर गया। अधूरा रह गया है। आज का सच और विडंबना यह है कि जो राजनीतिक समूह अभी देश की सत्ता और राजनीति पर प्रभावी है, वह भी खुद को जेपी और उस आंदोलन का वारिस होने का दावा करता है। मगर वह उस आंदोलन के मूल्यों के उलट एक संकीर्ण हिंदुत्व के विचार से लैस है और येन केन प्रकारेण उसे देश पर थोपना चाहता है। लोकतंत्र के नाम पर वह असहमति और सवाल पूछने के अधिकार को नकारता है।

जिस लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की पुनर्स्थापना उस आंदोलन का एक प्रमुख लक्ष्य था, उनमें इनकी निष्ठा नहीं है, यह स्पष्ट हो गया है। लोकतंत्र के रास्ते तानाशाही आने की आहत मिलने लगी है। यदि वे अपनी मंशा पूरी करने में सफल हो गये, तो यह उस आंदोलन की बहुत बड़ी पराजय होगी। इससे उसका नकारात्मक

होना भी सिद्ध होगा। ऐसा न हो, यह दायित्व उन लोगों पर है, जो खुद को 'संपूर्ण क्रांति' धारा का असली वारिस मानते हैं, जो इस संकीर्णता और धर्मोन्माद की राजनीति को गलत मानते हैं, जो इस देश को विषमता और अन्याय से मुक्त, समानता, बंधुत्व और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित लोकतंत्रात्मक देश बनाना चाहते हैं। आज यदि हम ऐसा करने का संकल्प ले सकें, तभी 'पांच जून' का याद कराना सार्थक होगा। हमारा मकसद एक आदर्श समाज का निर्माण करना रहा है, तो जाहिर है कि हम बेहतर इंसांन बनाना चाहते हैं। भौतिक सुविधा से आगे वह मानसिक रूप से मानव मात्र को समान मानने वाला इंसांन होगा। हम हर तरह की विषमता और भेदभाव को गलत मानते हैं। मगर समता के साथ न्याय भी आवश्यक है। समता में स्वतंत्रता और बंधुत्व अंतर्निहित है। उसके बिना लोकतंत्र भी अधूरा होगा, लेकिन आज जिस तरह धर्म और इतिहास की संकीर्ण व मनमानी व्याख्या हो रही है, फिलहाल इस कारण समाज में जो उन्माद फैल रहा है, वह बड़ी चुनौती है। इससे कतरा कर समग्र बदलाव की चर्चा भी बमनाी होगी। हमारी एक बड़ी कमी या अक्षमता यह रही कि युवा पीढ़ी को हम अपेक्षित संख्या में जोड़ नहीं सके, संपूर्ण क्रांति के विचार उन तक पहुंचा नहीं सके। फिर भी आशावादी होने के नाते उम्मीद करना चाहता हूँ कि भटकाव का यह दौर जल्द खत्म होगा। और हमारा समाज और देश गांधी, डॉ आंबेडकर और जेपी- लोहिया जैसे नायकों के दिखावे रास्ते पर चलेगा। अपना समतामूलक, बहुलतामूलक स्वरूप कायम रखते हुए विकसित और समृद्ध होगा।



## कोई महत्वहीन नहीं

यह पूरा संसार परमपिता परमेश्वर की सुंदर रचना है। इसलिए यहां कोई व्यक्ति या वस्तु महत्वहीन नहीं है। सबका अपना अपना महत्व है। हर एक व्यक्ति, प्राणी और वस्तु में विशेष गुण मौजूद होता है। वे सभी गुण संसार के लिए उपयोगी होते हैं। एक समुदाय जिसे उसके शौर्य, निष्ठा और साहस के लिए जाना जाता था, एक जैन संन्यासी से सलाह लेने पहुंचा। जब संन्यासी ने ध्यान पूर्ण कर लिया तब समुदाय ने उससे पूछा, "मैं इतना हीन क्यों महसूस करता हूँ? मैंने कितनी ही लड़ाइयाँ जीती हैं, कितने ही असाध्य लोगों को मदद की है। पर जब मैं और लोगों को देखता हूँ तो लगता है कि मैं उनके सामने कुछ नहीं हूँ, मेरे जीवन का कोई महत्व ही नहीं है।" "स्को, जब मैं पहले से एकत्रित हुए लोगों के प्रश्नों का उत्तर दे लूंगा तब तुमसे बात करूंगा.", संन्यासी ने जवाब दिया। समुदाय ईंतजार करता रहा, शाम ढलने लगी और धीरे-धीरे सभी लोग वापस चले गए। "क्या अब आपके पास मेरे लिए समय है?", समुदाय ने संन्यासी से पूछा। संन्यासी ने इशारे से उसे अपने पीछे आने को कहा, "चांद की रोशनी में सबकुछ बड़ा शांत और सौम्य था, सारा वातावरण बड़ा ही मांस्क प्रतीत हो रहा था. "तुम चाँद को देख रहे हो, वह कितना खूबसूरत है! वह सारी रात इसी तरह चमकता रहेगा, हमें शीतलता पहुंचाएगा, लेकिन कल सुबह फिर सूरज निकल जाएगा और सूरज की रोशनी तो कहीं अधिक तेज होती है, उसी की वजह से हम दिन में खूबसूरत पेड़ों, पहाड़ों और पूरी प्रकृति को सारु-साफ देख पाते हैं, मैं तो कहीं जा कि चाँद की कोई जरूरत ही नहीं है... .उसका अस्तित्व ही बेकार है!!" "अरे! यह आप क्या कह रहे हैं, ऐसा बिलकुल नहीं है" समुदाय बोला, "वह और सूरज बिलकुल अलग-अलग हैं, दोनों की अपनी-अपनी उपयोगिता है, आप इस तरह दोनों की तुलना नहीं कर सकते", समुदाय बोला. "तो इसका मतलब तुम्हें अपनी समस्या का हल पता है. हर दिन के दूसरे से अलग होता है, हर किसी की अपनी-अपनी सुविधा होती है, और वह अपने-अपने तरीके से इस दुनिया को लाभ पहुंचाता है. बस यही प्रमुख है बाकी सब गौण है", संन्यासी ने अपनी बात पूरी की. मित्रो! हमें भी स्वयं के अवदान को कम अंकित कर दूसरों से तुलना नहीं करनी चाहिए, प्रायः हम अपने गुणों को कम और दूसरों के गुणों को अधिक आंकते हैं, यदि औरों में भी विशेष गुणवाता है तो हमारे अन्दर भी कई गुण मौजूद हैं."

## सुभाषित

**मूर्खस्य पंच चिह्नानि गर्वा दुर्वचनं तथा। क्रोधस्य तद्वदादश्च परवाक्येष्वनादरः ॥**

मूर्खों के पांच लक्षण होते हैं - गर्व (अहंकार), दुर्वचन (कटु वाणी बोलना), क्रोध, कुतर्क और दूसरों के कथन का अनादर। इन लक्षणों के आधार पर मूर्खों को आसानी से पहचाना जा सकता है। वे हर समय गर्व से भरे रहते हैं, कटुवाक्य बोलते हैं, गुस्से में रहते हैं, कुतर्क देते हैं और दूसरों के कथन का अनादर करते हैं।

# समावेशी विकास का संदेश है चुनाव परिणाम

जनादेश सहभागी लोकतंत्र और समावेशी विकास का संदेश है। आलेख लिखे जाने तक बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र निर्माणक साबित हुआ है। इन तीनों राज्यों में भाजपा पिछड़ गयी है। राजस्थान में भी भाजपा का नुकसान नजर आ रहा है। उम्मीद के मुताबिक भाजपा ने मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात में विपक्ष का सफाया कर दिया है। भारत का केंद्र उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और बंगाल से तय होता है। तमिलनाडु, केरल, पंजाब में इंडिया गठबंधन जीत की ओर है। बिहार में नीतीश कुमार जीत की ओर है, झारखंड में भाजपा जीत की ओर है। इस दफा उड़ीसा की जनता भाजपा पर लहलोट नजर आ रही है, क्योंकि वहां भाजपा क्लीन स्वीप कर देगी। भाजपा के चार राज्य बिाड़ गए हैं- उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बंगाल और महाराष्ट्र. भाजपा की सुपर जीत मध्यप्रदेश, उड़ीसा, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, हिमाचल, अरुणाचल में हुई है। बिहार, झारखंड और कर्नाटक में टक्कर हुई है। इस दफा बहुमत किसी भी दल को मुश्किल है। पांच साल सरकारी का आना जाना चलता रहेगा. संसद पांच वर्षों तक होगा मे से गुंजती रहेगी. यह लोकतंत्र के लिए अच्छा है, पक्ष और विपक्ष बराबर का होना चाहिए. एक व्यक्ति एक दल, यह चीजें खतरनाक हैं और वह भी लंबे समय तक च्यादा खतरनाक हैं. आम चुनाव 2024 लगभग शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ. वर्तमान का परिणाम भविष्य में निकलता है. मनुष्य के लिए वर्तमान में ही सारा संरंजाम होता है. सुख का भी, दुख का भी. मनुष्य हमेशा वर्तमान से बेहतर की तलाश में रहता आया है, यही उसे अन्य प्राणियों से न सिर्फ भिन्न बनाता है, बल्कि निरंतर विकसित भी करता रहा है. स्वाभाविक है कि वह हमेशा भविष्य के गर्भ में छिपे वर्तमान में संपन्न कार्य का परिणाम जानने को उत्सुक रहता है. यहां तक कि जाने हुए को भी बार-बार जानना चाहता है. इसमें न सिर्फ राहत, बल्कि मनोरंजन का भी तत्व होता है. जानने की इच्छा अर्थात जिज्ञासा मनुष्य की मौलिक वृत्ति है. इस समय ऐसी कौन-सी मौलिक वृत्ति है, जिसके साथ कुछ नहीं हो रहा है? मुख्य-भाषा की मौडिया का पिछले दिनों कैसा रुख और रुझान रहा है यह किसी से छिपा नहीं है. मतदान में भारी धांधली की आशंकाओं के बारे में लोग भी 'गंभीर चर्चा' करते रहे हैं. 'एजिट पोल' के अनुमानित परिणाम पर विश्वास को तो बात ही क्या! इस तरह के परिणाम वास्तविक गिनती के बाद भी सामने आते हैं तो लोग उस पर भी विश्वास नहीं करेगे. वास्तविक परिणाम तो अब विमर्श को नया आयाम दे रहा है. तमाम तरह की प्रतिकूलताओं के बीच विपक्ष

आम चुनाव 2024 लगभग शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ. वर्तमान का परिणाम भविष्य में निकलता है. मनुष्य के लिए वर्तमान में ही सारा संरंजाम होता है. सुख का भी, दुख का भी. मनुष्य हमेशा वर्तमान से बेहतर की तलाश में रहता आया है, यही उसे अन्य प्राणियों से न सिर्फ भिन्न बनाता है, बल्कि निरंतर विकसित भी करता रहा है.

की राजनीति की सावधानियों और जनता के अधिकतम धैर्य के वातावरण में आम चुनाव 2024 लगभग शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ. यह चुनाव व्यापक स्तर पर देखा जाये तो संविधान, लोकतंत्र, न्याय, रोजगार, महंगाई के मुद्दों पर केंद्रित रहा. राम मंदिर में भगवान राम की प्राण-प्रतिष्ठा, हिंदू-मुसलमान, भारत की संस्कृति, प्रधानमंत्री की वैश्विक छवि जैसे मुद्दा सत्ताधारी दल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उठाने की बार-बार कोशिश की. बहुविध प्रयास के बावजूद आम जनता के जीवनयापन के वास्तविक मुद्दों को भावनात्मक मुद्दों की मरीचीकाओं में भटकाना बहुत संभव नहीं हुआ. विपक्षी गठबंधन (इंडिया अलायंस) के नेता गण ध्यान भटकाने की आशंकाओं को लेकर अतिरिक्त सावधान्य बत रहे. बड़ी बात यह है कि राहुल गांधी ने आम जनता के सामने बहुत कारगर तरीके से ध्यान बंटाने, भटकाने के लिए जेबकर्तों की तरकीब का जैसा प्रदर्शन किया, वह लोगों के दिल और दिमाग में सफलतापूर्वक सक्रिय बना रहा. जीवनयापन के वास्तविक मुद्दों को भावनात्मक मुद्दों से भटकाने की सारी कोशिशें बे-असर साबित हुईं. हालांकि 'जून-भूमि' से लेकर 'तपो-भूमि' तक ये कोशिशें अंतिम क्षण तक जारी रहीं. भारत के लोकतंत्र के लिए सबसे दुखद है. भारतीय जनता पार्टी की आक्रामक राजनीति के कारण राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का राजनीतिक दृष्टिमान में बदलते चला जाना. हालांकि प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी बातचीत के दौरान राजनीतिक नेताओं और दलों के बीच में 'दुश्मनी' के न होने की बात भी कही. 'युद्धदेहि' की माहौलबदी के लिए की जानेवाली बयानबाजी को देखते हुए यह संतोषजनक बात लगी थी. संतोष के सहलाने पर भरौसा अभी आंध्र खोल ही रही थी कि नरेंद्र मोदी की तरफ से 'सात पीढ़ियों के पाप' का हिसाब सामने रख देने जैसा अति-कुद्द बयान आ गया. किसकी 'सात पीढ़ियों के पाप'? कैसा पाप? क्या मतलब! इस बयान में विपक्ष के नेता के प्रति क्रोध भरी धमकी के अलावा भी कुछ है? शायद नहीं.

# चाबहार परियोजना का रणनीतिक महत्व

भारत आज ईरान में लंबे समय से लंबित चाबहार बंदरगाह परियोजना को पुनर्जीवित करने के लिए काम कर रहा है। 13 मई को, इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (आईपीजीएल) और ईरान के बंदरगाह और समुद्री संगठन ने 10 साल के समझौते पर हस्ताक्षर किये. यह सौदा भारत को चाबहार बंदरगाह को विकसित करने और संचालित करने की अनुमति देता है। आईपीजीएल लगभग 120 मिलियन डॉलर का निवेश करेगा, जिसमें अतिरिक्त 250 मिलियन डॉलर का वित्तपोषण होगा, जिससे अनुबंध का कुल मूल्य 370 मिलियन डॉलर हो जायेगा. भारत, अफगानिस्तान और ईरान को जोड़ने वाला परिवहन और पारगमन मार्ग बनाने के लिए 'चाबहार समझौता' मूलरूप से मई 2016 में हुआ था. इस समझौते का उद्देश्य भारत, अफगानिस्तान और ईरान के बीच माल और यात्रियों को ले जाने के लिए बंदरगाह का उपयोग करना था. इससे अन्य देशों से माल और यात्रियों को आकर्षित करने की भी उम्मीद थी. उस समय ईरान के राष्ट्रपति हसन रुहानी ने दिसंबर 2017 में चाबहार बंदरगाह के पहले चरण का शुभारंभ किया. आईपीजीएल ने 2018 के अंत में बंदरगाह संचालन का प्रबंधन शुरू किया. तब से, इसने 90,000 टैंडर्यू (टैंटरी फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स) से अधिक कंटेनर ट्रेफिक और 8.4 मिलियन टन से अधिक बल्क और सामान्य कार्गो को संभाला है. 2018 में, ट्रम्प प्रशासन ने एक छूट दी, जिसने चाबहार को अमेरिकी प्रतिबंधों से बाहर रखा, जिससे बंदरगाह का उपयोग अफगान पुनर्निर्माण प्रयासों का समर्थन करने के लिए किया जा सके. विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की 'दक्षिण एशिया रणनीति अफगानिस्तान की आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए हमारे निरंतर समर्थन को उजागर करती है, साथ ही भारत के साथ हमारी मजबूत साझेदारी भी', जैसा कि ड डिप्लोमैट की एक रिपोर्ट में बताया गया है. अमेरिकी प्रवक्ता ने कहा कि यह अपवाद अफगानिस्तान के लिए पुनर्निर्माण सहायता और आर्थिक विकास से जुड़ा है, जो देश के विकास का समर्थन करने और मानवीय राहत प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है. हाल ही में हुए समझौते के जवाब में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक चेतावनी जारी की है. उसने संकेत दिया कि अगर भारत का समर्थन कानून आईपीजीएल निवेश के साथ आगे बढ़ती है तो उसे प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है. अगस्त 2021 में अमेरिका के अफगानिस्तान छोड़ने के

ाल ही में हुए समझौते के जवाब में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक चेतावनी जारी की है. उसने संकेत दिया कि अगर भारतीय कंपनी आईपीजीएल निवेश के साथ आगे बढ़ती है तो उसे प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है. अगस्त 2021 में अमेरिका के अफगानिस्तान छोड़ने के बाद से चाबहार पर अमेरिकी दृष्टिकोण बदल गये हैं.

## सामयिकी गिरीश लिंगना

ले जाने के लिए बंदरगाह का उपयोग करना था. इससे अन्य देशों से माल और यात्रियों को आकर्षित करने की भी उम्मीद थी. उस समय ईरान के राष्ट्रपति हसन रुहानी ने दिसंबर 2017 में चाबहार बंदरगाह के पहले चरण का शुभारंभ किया. आईपीजीएल ने 2018 के अंत में बंदरगाह संचालन का प्रबंधन शुरू किया. तब से, इसने 90,000 टैंडर्यू (टैंटरी फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स) से अधिक कंटेनर ट्रेफिक और 8.4 मिलियन टन से अधिक बल्क और सामान्य कार्गो को संभाला है. 2018 में, ट्रम्प प्रशासन ने एक छूट दी, जिसने चाबहार को अमेरिकी प्रतिबंधों से बाहर रखा, जिससे बंदरगाह का उपयोग अफगान पुनर्निर्माण प्रयासों का समर्थन करने के लिए किया जा सके. विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की 'दक्षिण एशिया रणनीति अफगानिस्तान की आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए हमारे निरंतर समर्थन को उजागर करती है, साथ ही भारत के साथ हमारी मजबूत साझेदारी भी', जैसा कि ड डिप्लोमैट की एक रिपोर्ट में बताया गया है. अमेरिकी प्रवक्ता ने कहा कि यह अपवाद अफगानिस्तान के लिए पुनर्निर्माण सहायता और आर्थिक विकास से जुड़ा है, जो देश के विकास का समर्थन करने और मानवीय राहत प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है. हाल ही में हुए समझौते के जवाब में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक चेतावनी जारी की है. उसने संकेत दिया कि अगर भारत का समर्थन कानून आईपीजीएल निवेश के साथ आगे बढ़ती है तो उसे प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है. अगस्त 2021 में अमेरिका के अफगानिस्तान छोड़ने के

## मीडिया में अन्तर

# जलवायु परिवर्तन की चुनौती

मौसम के उतार-चढ़ाव की बढ़ती घटनाएं और देश के अधिकांश भागों में लू के थपड़े हमें यह याद दिला रहे हैं कि जलवायु कितनी तेजी से बदल रही है और भारत जैसे देश पर इसका क्या असर हो सकता है। भारत अपने ऊर्जा मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए निवेश कर रहा है, लेकिन जलवायु परिवर्तन की समस्या को विकासशील देश अपने ही स्तर पर हल नहीं कर सकते हैं।



ध्यान देने वाली बात है कि विकसित देशों ने विकासशील देशों को वित्तीय सहायता मुहैया कराने की प्रतिबद्धता भी जताई है। इस संदर्भ में आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन की एक नई रिपोर्ट इस बात को रेखांकित करती है कि वर्षों तक जलवायु वित्त प्रतिबद्धताओं के मामले में पिछड़ने के बाद विकसित देश आखिरकार 2022 में विकासशील देशों के लिए 115.9 अरब डॉलर की राशि जुटाने में कामयाब रहे, जो 100 अरब डॉलर के वार्षिक लक्ष्य से अधिक रही.वह लक्ष्य 2020 के लिए तय किया गया था, लेकिन दो वर्ष बाद यानी 2022 में इसे हासिल करने में कामयाबी मिली. इस याद को पूरा करने में हुई देर के कारण नाराजगी पैदा हुई और विकासशील देशों के मन में भविष्य की जलवायु फंडिंग के वादों को लेकर संदेह भी पैदा हुआ. ऐसे में तय लक्ष्य को पार करने के एक छोटा लेकिन अहम कदम बताया जा रहा है, जो विकासशील देशों को जलवायु वित्त

से निपटने के क्रम में मजबूती प्रदान करेगा. वर्ष 2009 में घोषितनेहाग में आर्गैजित जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में विकसित देशों ने 2020 तक हर वर्ष 100 अरब डॉलर का फंड जुटाने की प्रतिबद्धता जताई थी. इसके बाद 2015 में पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर के समय ये देश इस बात पर सहमत हुए कि 2025 तक मिलकर 100 अरब डॉलर की राशि जुटाई जाएगी और उसके बाद एक नया सामूहिक परिमाणित लक्ष्य तय किया जाएगा. यह नया लक्ष्य शायद इस वर्ष अक्टूबर में नॉक्रेस ऑफ पार्टीज (COP29) में अपना लिया जाए.वर्ष 2022 में जो कुल राशि जुटाई गई, उसमें 80 फीसदी हिस्सेदारी सार्वजनिक जलवायु वित्त (द्विपक्षीय और बहुपक्षीय) की है. निजी जलवायु वित्त हाल के दिनों में तेजी से बढ़ा है लेकिन अभी भी यह सार्वजनिक स्रोतों से हासिल फंड की तुलना में काफी कम है. कुल जलवायु वित्त का करीब 60 फीसदी उत्सर्जन कम करने के उपायों पर केंद्रित है. खासतौर पर ऊर्जा और परिवहन क्षेत्र में. जलवायु अनुकूल उपायों को अपनाने के लिए जुटाई गई राशि काफी कम है. बहरहाल, आर्थिकोश सहयोग ऋण के रूप में है, न कि अनुदान और इक्विटी निवेश के रूप में. यह जलवायु न्याय की अवधारणा के खिलाफ है. जलवायु वित्त का अधिकांश हिस्सा चूँकि ऋण के रूप में है. इसलिए इसका बड़ा अंश गैर रियायती प्रकृति का है. (बिजनेस स्टैंडर्ड)

## शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

## उम्र/आयु/अवस्था

आपकी उम्र क्या है? कितने वर्षों की आयु में उनका देहावसान हुआ? उनकी अवस्था क्या है? जीवन-काल को समझने के लिए मुख्य रूप से तीन शब्दों का प्रयोग किया जाता है-उम्र, आयु और अवस्था. तीनों सामान्यतः एक ही अर्थ है. लेकिन प्रयोग की विधि और परंपरा के अनुसार तीनों में सूक्ष्म अंतर है. वर्षों हिंदी शब्दकोश के अनुसार उम्र अरबी भाषा मूल का संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका मतलब है वय, अवस्था. जैसे कहा जाता है-इस बच्चे की उम्र पांच वर्ष है. आयु, सारा जीवन काल. जैसे कहा जाता है-उन्होंने सारी उम्र काम किया है. जन्म से लेकर अबतक का जीवन का या बीता हुआ जीवन काल. वह अवधि, जिसमें कोई वस्तु उपकरण आदि चालू हालत में या उपयोग में रहे. जैसे इस मशीन की उम्र 15 साल है. यानी यह मशीन 15 सालों तक चलेगी. आयु संस्कृत तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसी शब्दकोश में आयु का अर्थ इस प्रकार बताया गया है-उम्र, जीवन, जीवन काल, जीवन शक्ति, आयुष्य, एक यज्ञ. अवस्था भी तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है और इसका अर्थ है उम्र, आयु. शब्दकोश के अनुसार तीनों शब्दों का सामान्य अर्थ जीवन के संदर्भ में ही है और सामान्यतः तीनों में अंतर नहीं है. अवस्था किसी समय काल में किसी भी चीज की दशा, स्थिति या हालत आदि को प्रदर्शित करता है. अवस्था शब्द अब और स्था से बना है. 'अब' एक उपसर्ग है. इसका प्रयोग निश्चय, आनंद, निषेध, कमी, अभाव, हास, बुरा, दूषित, संकल्प आदि के अर्थ को प्रदर्शित करने में किया जाता है. वहीं 'स्था' का अर्थ स्थिर होना या खड़ा होना आदि है. यानी अवस्था से किसी खास स्थिति में होने का भाव प्रकट होता है. आयु का मतलब आपका पूरा जीवन काल अर्थात आपके जन्म से लेकर मृत्यु तक का समय. उम्र मतलब आपके जन्म के वास्तव में कितने वर्ष हुए हैं. आयु और अवस्था दोनों संस्कृत मूल के हैं, जबकि उम्र मूलतः अरबी शब्द है.

# अब ईवीएम मुक्ति हवन की तैयारी

लो कतंत्र के महानुष्ठान के उद्यापन के बाद चिंतानंद जी मेरे घर आए. चेहरे पर उतनी ही चिंता जितनी पहले दिखती थी. खैर नाम के अनुरूप काम होता चाहिए. चिंतानंद जी विशुद्ध संस्कारी

## • तीर-तुक्का

डॉ. विनोद सिंह गहरवार



है, कोई बैकवाक और वह भी सारा दूध इटोपीम के मथ्ये मड़कर." इतना सुनकर चिंतानंद जी उठकर खड़े हो गए. मैंने कहा, "एक कच चाय तो पी लींजिए!" "नहीं! नहीं! इसी चाय ने तो इटोपीम पर कब्जा जमा रखा है. हमें इटोपीम मुक्ति हवन यज्ञ करवाना है." मैंने चला.. मतगणना के बाद अब यही उपाय शेष है.."



गाण्डेय से कल्पना सोरेन विजयी

आ गया जनादेश

झारखंड में चार चरणों में हुए शांतिपूर्ण मतदान के बाद मंगलवार को जनादेश भी आ गया...



गिरिडीह । गांडेय विधानसभा उपचुनाव में झामुमो की प्रत्याशी पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन चुनाव जीत गई हैं...

मिले. चुनाव जीतने के बाद कल्पना सोरेन ने मतगणना स्थल पर जाकर जीत का प्रमाण पत्र लिया...

झारखंड की 14 लोकसभा सीटें : जानिए किस प्रत्याशी को कितने वोट मिले

Table with 4 columns: Candidate Name, Party, Votes, and Winner Status. Lists candidates across various constituencies like Rajmahal, Dumka, and Hazaribagh.

झारखंड से 2019 में जीत दर्ज करने वाले नेता

Summary table of winners from 2019, listing names, parties, and constituencies.

# स्पोर्ट्स+



## भारत के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने बताया भारत को सबसे बड़ा खतरा फखर जमां से है पाकिस्तान की टीम कुछ मैच विनर खिलाड़ियों को छोड़कर 'कमजोर'

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत और पाकिस्तान 9 जून को न्यूयॉर्क में चल रहे टी20 विश्व कप 2024 में एक बार फिर ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता करेंगे. दोनों टीमों के बीच पिछले दो टी20 विश्व कप मुकाबलों में दोनों पक्षों ने जीत दर्ज की है. पाकिस्तान ने 2021 टी20 विश्व कप में भारत को 10 विकेट से हराया था, जबकि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने एक साल बाद ऑस्ट्रेलिया में चार विकेट से जीत दर्ज करके बदला ले लिया. दोनों टीमों पिछले साल वनडे विश्व कप में

भी भिड़ी थीं और भारत ने उस मैच में भी जीत दर्ज की थी. भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबलों को लेकर हमेशा ही कुछ न कुछ चर्चा होती रहती है, लेकिन इस बार भारत के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने इस ब्लॉकबस्टर मैच को लेकर हो रही चर्चा को कमतर आंका है. कैफ के अनुसार, इस बार पाकिस्तान की टीम कुछ मैच विनर खिलाड़ियों को छोड़कर 'कमजोर' है. कैफ ने एक चर्चा के दौरान कहा- हर कोई जानता है कि पाकिस्तान की बल्लेबाजी कमजोर है. फखर जमां थोड़ा तेज खेलते हैं. अगर वह अच्छा



मोहम्मद कैफ

खेलते हैं तो शायद वह अकेले मैच जीत सकते हैं. इफ्तखार अहमद तेज खेलते हैं, लेकिन इसके अलावा हर कोई 120 से 125 की स्ट्राइक रेट से

भारतीय टीम	पाकिस्तान टीम
रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), संजू सैमसन (विकेट कीपर), शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज रिजर्व: शुभमन गिल, रिकू सिंह, खलील अहमद और आवेश खान	बाबर आजम (कप्तान), अब्दुर अहमद, आजम खान, फखर जमां, हादिस रऊफ, इफ्तखार अहमद, इमाम वसीम, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद रिजवान, नसीम शाह, सैम अयूब, शादाब खान, शाहीन शाह अफरीदी, उस्मान खान.

खेलाता है. आप उनकी बल्लेबाजी से नहीं बल्कि उनकी गेंदबाजी से डरते हैं. कैफ ने हालांकि भारत को पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम

इंडोनेशिया ओपन

## लक्ष्य सेन दूसरे दौर में पहुंचे

जकार्ता। एजेंसी



भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने जापान के केंटा सुनेयामा को हराकर इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया. सेन ने 40 मिनट के भीतर 21.12, 21.17 से जीत दर्ज की. फ्रेंच ओपन और आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचकर ओलंपिक क्वालीफिकेशन हासिल करने वाले सेन का सामना अब इंडोनेशिया के सातवीं वरीयता प्राप्त एंथोनी सिनिसुका गिंग्टिंग और जापान के केंटा निशिमोतो के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा. भारत के किरण जॉर्ज को चीन के हांग यांग वेंग के हाथों 21.11, 10.21,

20.22 से पराजय झेलनी पड़ी. मिश्रित युगल में भारत के बी सुमीत रेड्डी और सिक्की रेड्डी ने अमेरिका के विंसन चियू और जेनी गेड को 18.21, 21.16, 21.17 से हराया. अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के सि वेइ ड्रेग और कियोंग हुआंग तथा इंडोनेशिया के रेहान नोफाल कुशांजोतो और लिसा आयु कुसुमवती के बीच होने वाले मैच की विजेता जोड़ी से होगा.

### ब्रीफ खबरें

#### अर्जुन फिडे रेटिंग में विश्व में शीर्ष पांच में

नयी दिल्ली। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने फ्रेंच टीम शतरंज चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करके फिडे रेटिंग में पांचवां स्थान हासिल कर लिया और लाइव रेटिंग में वह सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय हैं. अर्जुन के इंग्लिश ओ रेटिंग अंक 2769.7 हैं और उन्होंने इसमें 8.7 अंक का इजाफा किया है. उनसे आगे नौवें के मैक्स कार्लसन, अमेरिका के हिकारु नकामूरा और फेबियानो कारुआना और रूस के इयान नेपोमियासिच हैं.

#### शतरंज: प्रज्ञानानंद ने लिरेन को हराया

स्टावेंजर (नॉर्वे)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन के खिलाफ आर्मेनिया में प्रतियोगिता में मिला हार का बदला चुकता करते हुए नौवें शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में जीत दर्ज की. हालांकि इससे पहले चीनी खिलाड़ी ने मजबूत स्थिति में पहुंचकर खुद गलतियों की थी जो उन पर भारी पड़ी. पहला मुकाबला ड्रॉ रहा और प्रज्ञानानंद ने आर्मेनिया में बाजी मारी. नौवें के मैक्स कार्लसन ने अमेरिका के हिकारु नकामूरा के खिलाफ धीमी शुरुआत की और आर्मेनिया में हार गए.

#### नोवाक जोकोविच ने किया व्हाटर्स फाइनल में प्रवेश

पेरिस। दाहिने घुटने के दर्द से जूझने के बावजूद नोवाक जोकोविच ने अपने से युवा प्रतिद्वंद्वी को साढ़े चार घंटे तक चले मुकाबले में पांच सेटों में हराकर फ्रेंच ओपन के क्वाटर फाइनल में प्रवेश कर लिया. दूसरे सेट की शुरुआत में जोकोविच पीट के बल लेट गए थे और लगा रहा था कि उन्हें मुकाबला छोड़ना होगा लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 23वीं रैंकिंग वाले फ्रांसिसको सेरुंडोलो को 6.1, 5.7, 3.6, 7.5, 6.3 से हराया.

#### म्यूसिख विश्व कप में ईशा छठे स्थान पर म्यूसिख।

निशानेबाज ईशा सिंह म्यूसिख में चल रहे आईएसएसएफ विश्व कप की महिला 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में छठे स्थान पर रहीं जिससे प्रतिযোগिता में भारत का पहले पदक का इंतजार जारी रहा. ईशा ने फाइनल में 20 अंक जुटाए. फ्रांस की कैमिली जेद्रेव्स्की ने स्वर्ण पदक जीता, कैमिली ने खिलाता की दौड़ में जर्मनी की डोरिन वेनेकेप को पछाड़ा. विजेता का फैसला करने के लिए दो शूट ऑफ का सहारा लेना पड़ा. दोनों निशानेबाज 10 सीरीज के बाद 40 अंक के साथ बराबर थीं.

## अफगानिस्तान ने की टी-20 विश्व कप में चौथी बड़ी जीत दर्ज अफगानिस्तान ने युगांडा को 125 रनों से हराया

एजेंसी। प्रोविडेंस (गुयाना)

तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी के पांच विकेट और रहमानुल्लाह गुरबाज तथा इब्राहिम जदरान के बीच पहले विकेट की शतकीय साझेदारी की मदद से अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप के पहले मैच में युगांडा को 125 रन से हराया. कोलकाता नाइट राइडर्स के सलामी बल्लेबाज गुरबाज ने 45 गेंद में 76 रन बनाये, जबकि जदरान ने 46 गेंद में 70 रन की पारी खेली. दोनों ने पुरुषों के टी20 विश्व कप में पहले विकेट के लिये सर्वोच्च 154 रन की साझेदारी की जिसकी मदद से अफगानिस्तान ने पांच विकेट पर 183 रन बनाये. बायें हाथ के तेज गेंदबाज फारूकी ने चार ओवर में नौ रन देकर पांच विकेट लिये. विश्व कप में पहली बार उतरी युगांडा की टीम 16 ओवर में 58 रन पर आउट हो गई. फारूकी दो बार हैट्रिक लेने के करीब पहुंचे थे. पहली गेंद पर चौका पड़ने के बाद उन्होंने बेहतरीन इन्स्विंग पर रैनक पटेल को आउट किया. इसके बाद रोजर मुकासा पगबाधा आउट हो गए. आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिये खेल चुके फारूकी ने 13वें ओवर में तीन ओवर विकेट लेकर टी20 क्रिकेट में कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. उन्होंने रियाजत अली शाह को बोल्ड किया और युगांडा के कप्तान ब्रायन मसाबा को गुरबाज के हाथों लपकवाया. वह हैट्रिक से चूक गए लेकिन ओवर की आखिरी गेंद पर एक रन का रिकॉर्ड बनाया. इसके पहले अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाजों ने आक्रामक शुरुआत की. गुरबाज ने पारी की दूसरी ही गेंद पर छक्का जड़ा. जदरान ने दिनेश नकरानी के छठे ओवर में लगातार चार चौके



**स्कोर बोर्ड**  
अफगानिस्तान: 183/5  
युगांडा: 58/10

### खास बातें

- बाएं हाथ के गेंदबाज फारूकी ने पांच विकेट चटकाने
- आईपीएल में हैदराबाद के लिये खेल चुके हैं फारूकी

### युगांडा ने टी20 विश्व कप का चौथा न्यूनतम स्कोर बनाया

युगांडा का विश्व कप में यह पहला ही मैच था और टीम प्रभावित करने में पूरी तरह नाकाम रही. युगांडा ने पुरुष टी20 विश्व कप का चौथा न्यूनतम स्कोर बनाया. नीदरलैंड के नाम इस वैश्विक टूर्नामेंट में सबसे कम स्कोर बनाने का रिकॉर्ड दर्ज है. लक्ष्य का पीछा करने उतरी युगांडा की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने पहले ही ओवर में दो विकेट गंवा दिए. युगांडा की टीम अंत तक इन झटकों से उबर नहीं सकी और उसे हार का सामना करना पड़ा.

### पुरुष टी20 विश्व कप का न्यूनतम स्कोर

- 39 नीदरलैंड बनाम श्रीलंका 2014
- 44 नीदरलैंड बनाम श्रीलंका 2021
- 55 वेस्टइंडीज बनाम इंग्लैंड 2021
- 58 युगांडा बनाम अफगानिस्तान 2024
- 60 न्यूजीलैंड बनाम श्रीलंका 2014

### टी20 में अफगानिस्तान के 5 विकेट लेने वाले गेंदबाज

- 5/3 राशिद खान आयरलैंड 2017
- 5/9 फजलहक फारूकी युगांडा 2024
- 5/11 करीम जनत वेस्टइंडीज 2019

लगाये. पावरप्ले के आखिर में अफगानिस्तान ने 11 रन प्रति ओवर की दर से रन बना डाले थे. गुरबाज ने चार चौके और चार छक्के लगाये

और अपना अर्धशतक सिर्फ 28 गेंद में पूरा किया. जदरान ने नौ चौके और एक छक्का जड़ा. ऐसा लग रहा था कि दोनों पूरे 20 ओवर खेल जायेंगे

लेकिन युगांडा के गेंदबाजों ने वापसी की और उन्हें 200 रन के भीतर रोक दिया. अफगानिस्तान का सामना अब न्यूजीलैंड से होगा.

### गेंदबाजी कोच के रूप ब्रावो को शामिल करना शानदार कदम: ट्रॉट

एजेंसी। प्रोविडेंस (गुयाना)

अफगानिस्तान के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट ने मंगलवार को कहा कि मौजूदा टी-20 विश्व कप के लिए डूवेन ब्रावो को गेंदबाजी कोच के रूप में टीम के साथ जोड़ना काफी अच्छा रहा क्योंकि वेस्टइंडीज के इस पूर्व क्रिकेटर ने उनका काम आसान कर दिया. बाएं हाथ के तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी के नौ रन पर पांच विकेट के अलावा रहमानुल्लाह गुरबाज (76) और इब्राहिम जदरान (70) के अर्धशतक और दोनों के बीच पहले विकेट की ठोस साझेदारी से अफगानिस्तान ने युगांडा को यहां 125 रन से हराया.

अफगानिस्तान की जीत के बाद मीडिया से बात करते हुए ट्रॉट ने ब्रावो को श्रेय दिया जो उनके अनुसार टीम के गेंदबाजों के रवैये में बदलाव लाए. ट्रॉट ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'डीजे (डूवेन ब्रावो) का टीम से जुड़ना शानदार रहा. खिलाड़ी के

### विहारी को एसीए से अनापति प्रमाण पत्र मिला

नयी दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज हनुमा विहारी को राज्य संघ से मतभेद के बाद आखिरकार आंध्र क्रिकेट संघ (एसीए) से अनापति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिल गया.माच में इस टेस्ट क्रिकेटर ने संघ पर उन्हें कप्तानी से हटाने का आरोप लगाया था और राज्य के लिए फिर से नहीं खेलने की बात कही थी जिसके बाद एसीए ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था. एएसए पर एक पोस्ट में विहारी ने लिखा कि वह पिछले दो महीनों से एनओसी मांग रहे थे और अंततः सोमवार को उन्हें यह मिल गया. घरेलू क्रिकेट में दूसरे राज्यों से खेलने के लिए एक खिलाड़ी को अपने घरेलू संघ से एनओसी की आवश्यकता होती है.उन्होंने राज्य चुनाव में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) की पार्टी जीत का जिम्मेदार ठहराया, 'मैं दो महीने से एनओसी मांग रहा हूँ, उन्हें चार बार इमेल किया.



रूप में काफी अनुभव रखने वाले बेहतरीन कोच का होना (बहुत बढ़िया है) जबकि इस प्रमाण पत्र में उसे फ्रेंचाइजी क्रिकेट का भी काफी अनुभव है. कहा कि उनके जैसे खिलाड़ी के कोच के रूप में टीम से जुड़ने से अपना काम बहुत आसान हो जाता है और इससे इससे कोचिंग भी बेहतर होती है. विशेषकर गेंदबाजों के साथ. युगांडा की टीम 16 ओवर में 58 रन पर आउट हो गई. टीम भले ही अपने पहले टी-20 विश्व कप मैच में हार गई हो लेकिन कप्तान ब्रायन मसाबा सकारात्मक पहलुओं पर ज्यादा ध्यान केंद्रित कर रहे थे. मसाबा ने कहा, 'हमारे लिए बहुत खास पल, अपना राष्ट्रपति सुनना और विश्व कप में अपना झंडा देना.

## फिल सॉल्ट ने कहा, यहां सब कुछ मेरे अनुकूल है

एजेंसी। ब्रिजटाउन (बारबाडोस)



इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट के लिए टी20 विश्व कप के लिए कैरेबियाई सरजमीं पर आना एक तरह से घर वापसी है. सॉल्ट 10 साल की उम्र में बारबडोस आये थे और पांच साल तक यहां रहे थे. इंग्लैंड की टीम में 2010 में जब टी20 विश्व कप जीता तो वह दर्शक दीर्घा में मौजूद थे. पिछले दो महीनों में सॉल्ट ने बारबडोस में प्रवेश किया था. उन्होंने कहा, 'मैंने यहां इंग्लैंड को खेलते देखा (टी20 टी20 विश्व कप) है, उन्हें जीतते हुए देखा. मुझे लगता है कि स्टेडियम में दर्शकों के बीच मौजूद हर बच्चा एक दिन खुद मैदान में खेलने का सपना संजोता है, मैं भी ऐसा ही करना चाहता था लेकिन उस दिन शायद कोई विश्वास नहीं करता.

## आईसीसी ट्रॉफी यहां हुए मैचों से स्पष्ट है कि आईपीएल की तरह यहां रनों का अंبار नहीं लगने जा रहा है

## आयरलैंड के खिलाफ आज आगाज करेगी टीम इंडिया

न्यूयॉर्क। एजेंसी

आलोचक भले ही उन्हें 'नयी बोलत में पुरानी शराब' कहें लेकिन भारत के सुपरस्टार क्रिकेटर बर्से से आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाने का मलाल मिटाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखना चाहेंगे और अपने इस मिशन की शुरुआत टी-20 विश्व कप में बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच के जरिये करेंगे. भारतीय टीम में अभी भी कई अनसुलझे सवाल हैं मसलन यहां 'ड्रॉप इन' पिच पर टीम संयोजन क्या रहेगा. अभी तक यहां हुए मैचों से स्पष्ट है कि इंडियन प्रीमियर लीग की तरह यहां रनों का अंبار नहीं लगने



**मैच का समय : रात आठ बजे से**

जा रहा है. उससे भी बड़ी चिंता खिलाता के प्रबल दावेदार का ठपका है. रोहित शर्मा और विराट कोहली तो विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रह चुके हैं लेकिन जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा जैसे 'दरवाकों में एक' माने जाने वाले क्रिकेटर्स ने अभी तक

खिताब नहीं जीता है और वे इसके लिये बेताब हैं. भारतीय क्रिकेट टीम 1982 और 1986 की ब्राजील फुटबॉल टीम की तरह नहीं बनना चाहती जब सुकरात, जिम्को, कारेका, फाल्काओ और अलेमाओ जैसे सितारे भी फीफा

### भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज.

विश्व कप नहीं जीत सके थे. पिछले साल वनडे विश्व कप फाइनल के बाद नरेंद्र मोदी स्टेडियम के ड्रेसिंग रूम की सीटियां चढ़ते हुए कप्तान रोहित शर्मा अपने आंसू नहीं छिपा सके थे. वहीं 765 रन बनाते वाले कोहली के चेहरे पर भी उदासी साफ

### टीमें

आयरलैंड: पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, एंड्रयू बालबर्नी, कर्टिस कैपर, गैरेथ डेलानी, जॉन डॉकरेल, ग्राहम ह्यूम, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोकन टकर, बेन व्हाइट, क्रेग यंग

देखी जा सकती थी. कई बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मिलकर सर्वश्रेष्ठ टीम नहीं बना पाते. भारत ने अपने अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि यही टीम कई बार आखिर दो तिलिस्म नहीं तोड़ सकी है.

## फ्रेंच ओपन कोको जेब्यूर को हराकर कोको गॉफ सेमीफाइनल में



कोको गॉफ

बाद गॉफ ने जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के भी अंतिम चार में जगह बनाई थी. वर्ष 2022 की उप विजेता 20 साल की गॉफ को रोलॉ गैरो पर

### जोरदार वापसी

- कोको ने तीसरी बार सेमीफाइनल में प्रवेश किया
- कोको ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के अंतिम चार में जगह बनाई थी

मुझे आदत नहीं है. इसलिए आज मैंने अंत में आक्रामक होकर खेलने का प्रयास किया.'जेब्यूर की सरहाना करते हुए उन्होंने कहा, 'वह कड़ी

प्रतिद्वंद्वी है और टूर पर लोग उनसे काफी प्यार करते हैं. मैं आज दर्शकों से कह सकती हूँ कि मुझे पता है कि आप लोग चाहते हैं कि वह जीते. इमामदारी से कहूँ तो जब भी वह मेरे खिलाफ नहीं खेल रही होती तो मैं भी उसकी हौसलाअफजाई करती हूँ. गॉफ की सेमीफाइनल में भिड़ंत शीर्ष वरीय इगा स्वियातेक से हो सकती है जिन्होंने पेरिस में पिछले दिन खुद मैदान में खेलने का सपना संजोता है, मैं भी ऐसा ही करना चाहता था लेकिन उस दिन शायद कोई विश्वास नहीं करता.

## हमें हर मैच के बाद यात्रा करनी पड़ रही है: वानिंदु हसरंगा

## श्रीलंका के क्रिकेटर शेड्यूल पर नाराज

न्यूयॉर्क। एजेंसी



श्रीलंका के खिलाड़ी

श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा और स्पिनर महीष तौषिणा ने टी-20 विश्व कप में अपनी टीम के मैचों के शेड्यूल को लेकर नाराजगी जताते हुए कहा है कि यह काफी अनुचित है. लंबी यात्राओं के कारण उन्हें एक अभ्यास सत्र हर करना पड़ा है. श्रीलंका को ग्रुप डी के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका ने हराया. तौषिणा ने अपनी टीम के मैचों के कार्यक्रम की आलोचना करते हुए कहा कि इसका टीम पर नकारात्मक असर पड़ा है. उन्होंने कहा कि यह गलत है. हमें हर मैच के बाद यात्रा करनी पड़ रही है क्योंकि हम चार अलग अलग मैदानों पर खेल रहे हैं.' उन्होंने कहा, 'हमने

फ्लोरिडा से, मियामी से उड़ान ली और आठ घंटे हवाई अड्डे पर इंतजार करना पड़ा. हमें रात आठ बजे निकलना था लेकिन सुबह पांच बजे उड़ान ली. यह अनुचित है लेकिन खेलते समय यह मायने नहीं रखता.' दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका को दो और मैच यहां खेलना है जबकि

भारतीय टीम तीन मैच यहां खेलेगी. तौषिणा ने कहा कि होटल से अभ्यास स्थल भी एक घंटे 40 मिनट का रास्ता है. दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच से पहले भी हम सुबह पांच बजे उड़ना पड़ेगा.' तौषिणा ने नाम नहीं लिया लेकिन कहा कि कुछ टीमों को एक ही स्थान पर खेलना है.



बिहार में लोकसभा चुनाव-2024 की मतगणना में सभी 40 सीटों के परिणाम सामने आ गए हैं। इनमें राजग को 30 सीटें मिली हैं, जिनमें भाजपा को 12, जदयू को 12, लोजपा (आर) को 5 और हम पार्टी को 01 सीटें मिली हैं। 40 सीटें वाली लोकसभा क्षेत्र में एनडीए को 09 सीटों का नुकसान हुआ है। वहीं राजद को 4, कांग्रेस को 3, भाकपा-माले को 2 और पप्पू यादव निर्दलीय की जीत से इंडिया को 10 सीटें मिली हैं।

# बिहार में नीतीश कुमार ने किया कमाल

<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>649331</b> सीट : वेगूसराय</p> <p><b>567851</b></p> <p>गिरिराज सिंह भाजपा</p> <p>अवधेश कुमार रॉय सीपीआई</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>600146</b> सीट : अररिया</p> <p><b>580052</b></p> <p>प्रदीप कुमार सिंह भाजपा</p> <p>शहनवाज राजद</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>529382</b> सीट : आरा</p> <p><b>469574</b></p> <p>सुदामा प्रसाद सीपीआई</p> <p>आरके सिंह भाजपा</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>465567</b> सीट : औरंगाबाद</p> <p><b>386456</b></p> <p>अभय कुमार सिन्हा राजद</p> <p>सुशील कुमार सिंह भाजपा</p>
<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>506678</b> सीट : बांका</p> <p><b>402834</b></p> <p>गिरधारी यादव जदयू</p> <p>जयप्रकाश नारायण यादव राजद</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>536031</b> सीट : भागलपुर</p> <p><b>431163</b></p> <p>अजय कुमार मंडल जदयू</p> <p>अजीत कुमार शर्मा कांग्रेस</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>423779</b> सीट : बक्सर</p> <p><b>394892</b></p> <p>सुधाकर सिंह राजद</p> <p>मिथिलेश तिवारी भाजपा</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>566630</b> सीट : दरभंगा</p> <p><b>388474</b></p> <p>गोपाल जी ठाकुर भाजपा</p> <p>ललित कुमार यादव राजद</p>
<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>440352</b> सीट : जहानाबाद</p> <p><b>299044</b></p> <p>सुरेंद्र प्रसाद यादव राजद</p> <p>चंद्रेश्वर प्रसाद जदयू</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>615718</b> सीट : हाजीपुर</p> <p><b>445613</b></p> <p>विराग पासवान लोजपा (आर)</p> <p>शिवचंद्र राम राजद</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>511866</b> सीट : गोपालगंज</p> <p><b>384686</b></p> <p>डॉ.आलोक कुमार सुमन जदयू</p> <p>प्रेम नाथ चंचल बीआईपी</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>494960</b> सीट : गया</p> <p><b>393148</b></p> <p>जीतन राम मांझी हम</p> <p>कुमार सर्वजीत राजद</p>
<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>509046</b> सीट : जमुई</p> <p><b>396564</b></p> <p>अरुण भारती लोजपा (आर)</p> <p>अर्चना कुमारी राजद</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>533032</b> सीट : झंझारपुर</p> <p><b>348863</b></p> <p>रामप्रीत मंडल जदयू</p> <p>सुमन कुमार महासेठ बीआईपी</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>380581</b> सीट : काराकाट</p> <p><b>274723</b></p> <p>राजाराम सिंह सीपीआई-एमएल</p> <p>पवन सिंह निर्दलीय</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>567092</b> सीट : कटिहार</p> <p><b>517229</b></p> <p>तारिक अनवर कांग्रेस</p> <p>दुलाल चंद्र गोस्वामी जदयू</p>
<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>523422</b> सीट : वाल्मिकी नगर</p> <p><b>424747</b></p> <p>सुनील कुमार जदयू</p> <p>दीपक यादव राजद</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>567043</b> सीट : वैशाली</p> <p><b>477409</b></p> <p>वीणा देवी लोजपा (आर)</p> <p>विजय कुमार शुक्ला राजद</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>515159</b> सीट : उजियारपुर</p> <p><b>454870</b></p> <p>नित्यानंद राय भाजपा</p> <p>आलोक कुमार मेहता राजद</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>538657</b> सीट : खगड़िया</p> <p><b>377526</b></p> <p>राजेश वर्मा लोजपा (आर)</p> <p>संजय कुमार सीपीआई-एम</p>
<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>529533</b> सीट : महाराजगंज</p> <p><b>426882</b></p> <p>जनार्दन सिंह सिग्गीवाल भाजपा</p> <p>आकाश कुमार सिंह कांग्रेस</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>553428</b> सीट : मधुबनी</p> <p><b>401483</b></p> <p>अशोक कुमार यादव भाजपा</p> <p>मो. अली अशरफ हातमी राजद</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>640649</b> सीट : मधेपुरा</p> <p><b>466115</b></p> <p>दिनेश चंद्र यादव जदयू</p> <p>डीए कुमार चंद्रदीप राजद</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>402850</b> सीट : किशनगंज</p> <p><b>343158</b></p> <p>मोहम्मद जावेद कांग्रेस</p> <p>मुजाहिद आलम जदयू</p>
<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>547814</b> सीट : मुंगेर</p> <p><b>467412</b></p> <p>राजीव रंजन सिंह जदयू</p> <p>कुमारी अनिता राजद</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>618569</b> सीट : मुजफ्फरपुर</p> <p><b>383759</b></p> <p>राजभूषण चौधरी भाजपा</p> <p>अजय निषाद कांग्रेस</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>558489</b> सीट : नालंदा</p> <p><b>388946</b></p> <p>कौशलेंद्र कुमार जदयू</p> <p>डॉ. संदीप सौरव सीपीआई-एमएल</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>410608</b> सीट : नवादा</p> <p><b>342938</b></p> <p>विवेक ठाकुर भाजपा</p> <p>श्रवण कुमार राजद</p>
<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>488736</b> सीट : पूर्णिया</p> <p><b>458575</b></p> <p>राजेश रंजन निर्दलीय</p> <p>संतोष कुमार कुशवाहा जदयू</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>588270</b> सीट : पटना साहिब</p> <p><b>434424</b></p> <p>रविशंकर प्रसाद भाजपा</p> <p>अंशुल अभिजीत कांग्रेस</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>588963</b> सीट : पाटलिपुत्र</p> <p><b>509621</b></p> <p>मीसा भारती राजद</p> <p>रामकृपाल यादव भाजपा</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>580421</b> सीट : पश्चिमी चंपारण</p> <p><b>443853</b></p> <p>डॉ संजय जायसवाल भाजपा</p> <p>मदन मोहन तिवारी कांग्रेस</p>
<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>542193</b> सीट : पूर्वी चंपारण</p> <p><b>453906</b></p> <p>राधा मोहन सिंह भाजपा</p> <p>डॉ राजेश कुमार बीआईपी</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>579786</b> सीट : समस्तीपुर</p> <p><b>392535</b></p> <p>शांभवी लोजपा (आर)</p> <p>सन्नी हजारी कांग्रेस</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>471752</b> सीट : सारण</p> <p><b>458091</b></p> <p>राजीव प्रताप रुडी भाजपा</p> <p>रोहिणी आचार्य राजद</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>513004</b> सीट : सासाराम</p> <p><b>493847</b></p> <p>मनोज कुमार कांग्रेस</p> <p>शिवेश कुमार भाजपा</p>
<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>595038</b> सीट : सुपौल</p> <p><b>425235</b></p> <p>दिलेश्वर कामत जदयू</p> <p>चंद्रहास चौपाल राजद</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>386508</b> सीट : सिवान</p> <p><b>293651</b></p> <p>विजय लक्ष्मी देवी जदयू</p> <p>हीना शहाब निर्दलीय</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>515719</b> सीट : सीतामढ़ी</p> <p><b>464363</b></p> <p>दिनेश चंद्र ठाकुर जदयू</p> <p>अर्जुन राय राजद</p>	<p><b>जीते</b> </p> <p><b>हारे</b> </p> <p><b>476612</b> सीट : शिवहर</p> <p><b>447469</b></p> <p>लवली आनंद जदयू</p> <p>रीतू जायसवाल राजद</p>



बोले दिग्गज

आज जो चुनाव जीत है उनको बधाई! आशा है जैसे हमने जनता की समस्या की सुनी है उसी तरह से वह भी जनता के लिए काम करेगा...

तीन घंटे तक प्रधानमंत्री मोदी पीछे चल रहे थे. 1.5 लाख वोटों से जीतने में पसीने छूट गए.

रायबरेली से राहुल गांधी 4 लाख वोटों से जीत रहे हैं. ये साबित करता है कि राहुल गांधी की हिन्दुस्तान में लोकप्रियता मोदी से बहुत ज्यादा है.

इस जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जाता है. लोगों ने पारिवारिक विरासत के खिलाफ और आम जनता के पक्ष में वोट दिया है.

उन्होंने कहा कि वह मंडी के लोगों के लिए सब्जे दिल से काम करेगी. कंगना रनौत, भाजपा प्रत्याशी, मंडी



अमेठी से कांग्रेस के विजयी प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा

कांग्रेस प्रत्याशी के भाजपा में शामिल होने से बना अनोखा कीर्तिमान इंदौर सीट पर 'नोटा' ने 2.19 लाख वोटों के साथ बनाया नया रिकॉर्ड

एजेंसी। इंदौर

मध्यप्रदेश के इंदौर में 'नोटा' ने बिहार के गोपालगंज का पिछला कीर्तिमान ध्वस्त करते हुए 2,18,674 वोट हासिल किए और 14 में से 13 उम्मीदवारों को पटखनी देकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किया.



दिल्ली की चांदनी चौक सीट से भाजपा के विजयी प्रत्याशी प्रवीण खंडेलवाल.

नीतीश व नायडू राजग का साथ छोड़ सकते हैं पटना। राजद ने मंगलवार को दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू 'प्रतिशोध की राजनीति को नापसंद करते हैं' जो उन्हें भाजपा के नेतृत्व वाले राजग से दूर कर सकते हैं.

लोस चुनाव के नतीजे भाजपा के लिये सबक तिरुवनंतपुरम। तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट से लगातार चौथी बार जीत हासिल करने वाले कांग्रेस नेता शशि थरूर ने मंगलवार को कहा कि चुनाव परिणाम भाजपा के लिए एक सबक है कि जब वह सांप्रदायिकता के बजाय विकास जैसे अन्य रास्तों पर चलती है तो उसका बेहतर प्रदर्शन होता है.

दिग्गज

जीते हारे



महुआ मोइत्रा टीएमसी



अमृता रॉय भाजपा

जीते हारे



उत्कर्ष कुमार मधुर समाजवादी पार्टी



अजय कुमार टेनी भाजपा

जीते हारे



डिपल यादव समाजवादी पार्टी



जयवीर सिंह भाजपा

जीते हारे



मनोज तिवारी भाजपा



कन्हैया कुमार कांग्रेस

LOYOLA CONVENT SCHOOL

An ISO 9001:2000 Certified School - Affiliated to CBSE New Delhi Vidyalaya Marg, Dumardaga, Booty, Ranchi - 834012 Ph. : 0651-2273020, 9308001515, 7677401515

OUR TOP PERFORMERS AISSE (CLASS - XII) - SESSION - 2023-24 2nd CITY TOPPER PRANTIKA BISWAS - 98% Humanities



OUR TOP PERFORMERS AISSE (CLASS - X) - SESSION - 2023-24 ARPAN CHOUDHARY - 98.2% ADITYA KUMAR - 97%

ANNOUNCING SCHOLARSHIP FOR CLASS XI SESSION - 2024-25 SCIENCE, COMMERCE & HUMANITIES

SCHOLARSHIP PROGRAM

- Students scoring 95% & above will receive a waiver of 100% in Admission Fee & Hostel Fee
Students scoring 90% to 94% will receive a waiver of 75% in Admission Fee & Hostel Fee
Students scoring 85% to 89% will receive a waiver of 50% in Admission Fee & Hostel Fee
Students scoring 80% to 84% will receive a waiver of 25% in Admission Fee & Hostel Fee

HOSTEL Modern & Separate Hostel Facility is available for Boys & Girls BOYS (Class-III onwards) & GIRLS (XI & XII).

